



# Sample

---

29 May 2001

03:16 PM

Moradabad

Model: Web-LalKitabPearl-New

Order No: 112920

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुंडली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुंडली व वर्ष कुंडली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपको प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपको साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपको लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपको लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बताया गया है। इनसे संबंधित आपको लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाइयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपको भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपको कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में उपयोग करें व इसके अम्बराम्बर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपको लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई भी पूर्णता नहीं है। अतः इसकी सहायता के लिए जिम्मेदार होइए।

লিঙ্গ \_\_\_\_\_: পুরুষ  
জন্ম তারিখ \_\_\_\_\_: 29/05/2001  
দিন \_\_\_\_\_: মঙ্গলবার  
জন্ম সময় \_\_\_\_\_: 15:16:00 ঘন্টা  
ইন্ট \_\_\_\_\_: 24:55:14 ঘটা  
স্থান \_\_\_\_\_: Moradabad  
রাজ্য \_\_\_\_\_: Uttar Pradesh  
দেশ \_\_\_\_\_: India

অক্ষাংশ \_\_\_\_\_: 28:50:19 উত্তর  
রেখাংশ \_\_\_\_\_: 78:46:23 পূর্ব  
মধ্য রেখাংশ \_\_\_\_\_: 82:30:00 পূর্ব  
স্থানীয় সংস্কার \_\_\_\_\_: -00:14:54 ঘন্টা  
গ্রীষ্ম সংস্কার \_\_\_\_\_: 00:00:00 ঘন্টা  
স্থানীয় সময় শোধন \_\_\_\_\_: 15:01:05 ঘন্টা  
বেলাান্তর \_\_\_\_\_: 00:02:38 ঘন্টা  
সাম্পাতিক কাল \_\_\_\_\_: 07:29:03 ঘন্টা  
সূর্যোদয় \_\_\_\_\_: 05:17:54 ঘন্টা  
সূর্যাস্ত \_\_\_\_\_: 19:06:57 ঘন্টা  
দিনমান \_\_\_\_\_: 13:49:04 ঘন্টা  
সূর্য স্থিতি -অয়ন \_\_\_\_\_: উত্তরায়ণ  
সূর্য স্থিতি -গোল \_\_\_\_\_: উত্তর  
ঋতু \_\_\_\_\_: গ্রীষ্ম  
সূর্য ডিগ্রী \_\_\_\_\_: 14:13:03 বৃষ  
লগ্ন ডিগ্রী \_\_\_\_\_: 25:39:19 কন্যা

**অবকহড়া চক্র**  
লগ্ন-লগ্নাধিপতি \_\_\_\_\_: কন্যা - বুধ  
রাশি-স্বামী \_\_\_\_\_: সিংহ - রবি  
নক্ষত্র-চরণ \_\_\_\_\_: মঘা - 3  
নক্ষত্র-স্বামী \_\_\_\_\_: কেতু  
যোগ \_\_\_\_\_: ব্যাঘাত  
করণ \_\_\_\_\_: বণিজ  
গণ \_\_\_\_\_: অরি  
যোনি \_\_\_\_\_: মূষক  
নাড়ী \_\_\_\_\_: মধ্য  
বর্ণ \_\_\_\_\_: ক্ষত্রিয়  
বশ্য \_\_\_\_\_: বনচর  
বর্গ \_\_\_\_\_: মূষক  
মুন্ড \_\_\_\_\_: মধ্য  
হংসক \_\_\_\_\_: অগ্নি  
জন্ম নামাক্ষর \_\_\_\_\_: মু-মুকেশ  
পায়া/রাশি-নক্ষত্র \_\_\_\_\_: লৌহ - রৌপ্য  
সূর্য রাশি-পাশ্চাত্য \_\_\_\_\_: মিথুন

# পঞ্জিকা

পিতামহের নাম \_\_\_\_\_ :  
বাবার নাম \_\_\_\_\_ :  
মায়ের নাম \_\_\_\_\_ :  
জাতি \_\_\_\_\_ :  
গোত্র \_\_\_\_\_ :

ক্যালেন্ডার	বর্ষ	মাস	তিথি/প্রবিশ্ট
রাষ্ট্রীয়	শক : 1923	জ্যৈষ্ঠ	8
পাঞ্জাবী	সম্বৎ : 2058	জ্যৈষ্ঠ	16
বাংলা	সন্ : 1408	জ্যৈষ্ঠ	15
তামিল	সম্বৎ : 2058	বৈকাশী	15
কেরালা	কোল্লম : 1176	ঈদম্	15
নেপালী	সম্বৎ : 2058	জ্যৈষ্ঠ	16
চৈত্রাদি	সম্বৎ : 2058	জ্যৈষ্ঠ	শুক্ল 7
কার্তিকাদি	সম্বৎ : 2058	জ্যৈষ্ঠ	শুক্ল 7

## পঞ্জিকা

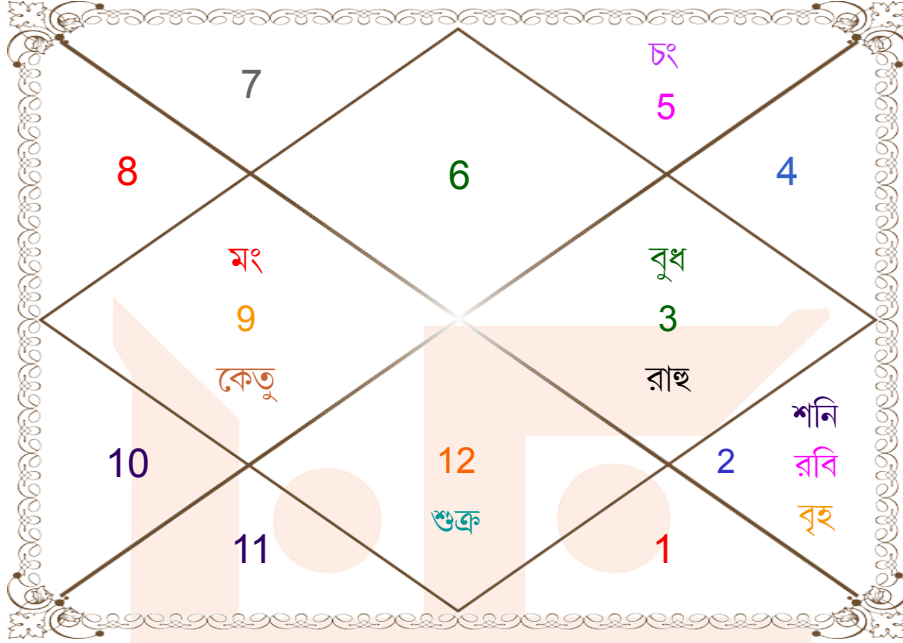
সূর্যোদয় কালীন তিথি \_\_\_\_\_ : 7  
তিথির সমাপ্তিকালীন \_\_\_\_\_ : 16:45:37  
জন্ম তিথি \_\_\_\_\_ : 7  
সূর্যোদয় কালীন নক্ষত্র \_\_\_\_\_ : মঘা  
নক্ষত্র সমাপ্ত কাল \_\_\_\_\_ : 25:18:54 ঘন্টা  
জন্মকালীন যোগ \_\_\_\_\_ : মঘা  
সূর্যোদয় কালীন যোগ \_\_\_\_\_ : ব্যাঘাত  
যোগ সমাপ্ত কাল \_\_\_\_\_ : 17:59:36 ঘন্টা  
জন্মকালীন যোগ \_\_\_\_\_ : ব্যাঘাত  
সূর্যোদয় কালীন করণ \_\_\_\_\_ : গণ  
করণ সমাপ্ত কাল \_\_\_\_\_ : 05:54:05 ঘন্টা  
জন্মকালীন করণ \_\_\_\_\_ : বণিজ  
ভয়ৎ \_\_\_\_\_ : 31:10:41  
ভাবক \_\_\_\_\_ : 56:17:56  
ভোগ্য দশা \_\_\_\_\_ : কেতু 3 ব 1 মা 12 দি

## ঘাত চক্র

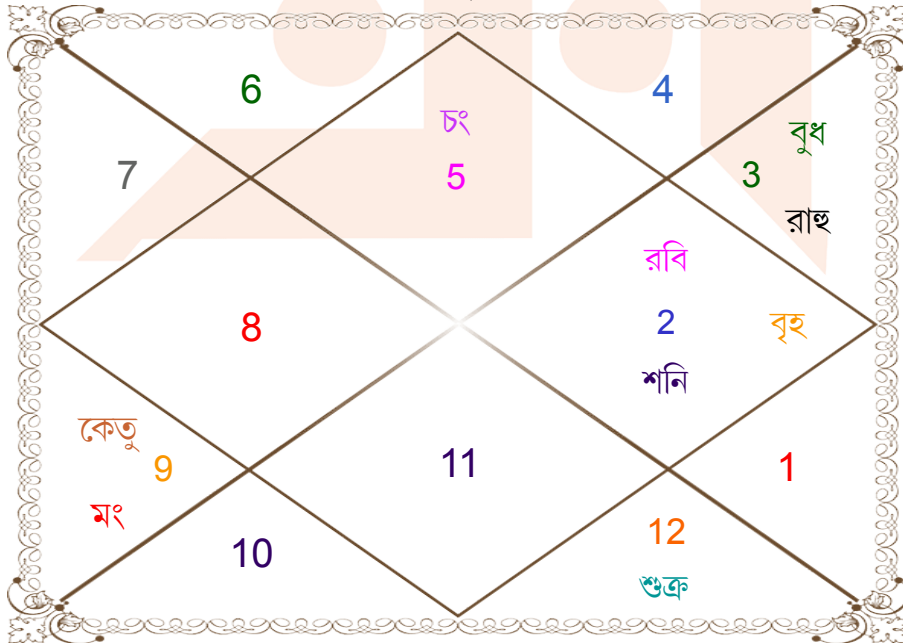
মাস \_\_\_\_\_ : জ্যৈষ্ঠ  
তিথি \_\_\_\_\_ : 3-8-13  
দিন \_\_\_\_\_ : শনিবার  
নক্ষত্র \_\_\_\_\_ : মূলা  
যোগ \_\_\_\_\_ : ধৃতি  
করণ \_\_\_\_\_ : বব  
প্রহর \_\_\_\_\_ : 1  
বর্গ \_\_\_\_\_ : মার্জার  
লগ্ন \_\_\_\_\_ : মীন  
সূর্য \_\_\_\_\_ : ধনু  
চন্দ্র \_\_\_\_\_ : মকর  
মঙ্গল \_\_\_\_\_ : মকর  
বুধ \_\_\_\_\_ : তুলা  
বৃহস্পতি \_\_\_\_\_ : কুন্ত  
শুক্র \_\_\_\_\_ : মীন  
শনি \_\_\_\_\_ : বৃশ্চিক  
রাহু \_\_\_\_\_ : মেঘ

# জন্ম কুণ্ডলী

## নগ্ন কুণ্ডলী



## চন্দ্র কুণ্ডলী



# লগ্ন কুন্ডলী ঔর দশা

## লগ্ন কুন্ডলী

শুক্র		শনি রবি বৃহ	বুধ রাহু
			চন্দ্র
কেতু মং			লং

## লগ্ন কুন্ডলী

শনি বৃহ			শুক্র
রাহু বুধ			
চন্দ্র			মং কেতু
		লং	

## বিংশোত্তরী

কেতু 3ব 1মা 12দি  
কেতু

29/05/2001

12/07/2117

কেতু	11/07/2004
শুক্র	11/07/2024
রবি	12/07/2030
চন্দ্র	11/07/2040
মঙ্গল	12/07/2047
রাহু	11/07/2065
বৃহস্পতি	11/07/2081
শনি	12/07/2100
বুধ	12/07/2117

## য়োগিনী

ভদ্রিকা 2ব 2মা 22দি  
সঙ্কটা

20/08/2016

20/08/2024

সঙ্কটা	31/05/2018
মঙ্গলা	20/08/2018
পিঙ্গলা	30/01/2019
ধান্যা	30/09/2019
ভ্রামরী	20/08/2020
ভদ্রিকা	30/09/2021
উলকা	30/01/2023
সিদ্ধা	20/08/2024

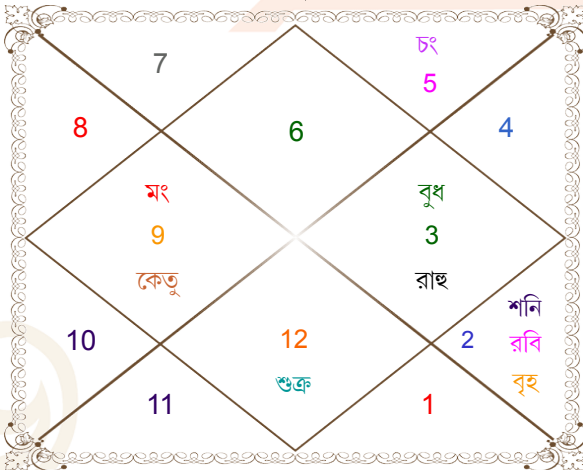
## গ্রহের ডিগ্রী এবং তার অবস্থান

গ্রহ	রাশি	ডিগ্রী	অবস্থান	অক্ষ	শোয়া	ধর্মী	নেক/মন্দা
লগ্ন	কন্যা	25:39:19	—	—	—	—	নেক
রবি	বৃষ	14:13:03	শত্রুরাশি	—	—	—	নেক
চন্দ্র	সিংহ	07:23:36	মিত্ররাশি	—	—	—	মন্দা
মঙ্গল	ব ধনু	03:12:10	মিত্ররাশি	—	—	—	মন্দা
বুধ	মিথুন	04:47:20	স্বরাশি	—	—	—	নেক
বৃহস্পতি	বৃষ	25:55:55	শত্রুরাশি	—	—	—	নেক
শুক্র	মীন	28:47:57	উচচস্থ	—	—	—	মন্দা
শনি	বৃষ	10:59:30	মিত্ররাশি	—	—	হাঁ	মন্দা
রাহু	মিথুন	12:47:18	উচচস্থ	—	—	—	নেক
কেতু	ধনু	12:47:18	উচচস্থ	—	—	হাঁ	মন্দা

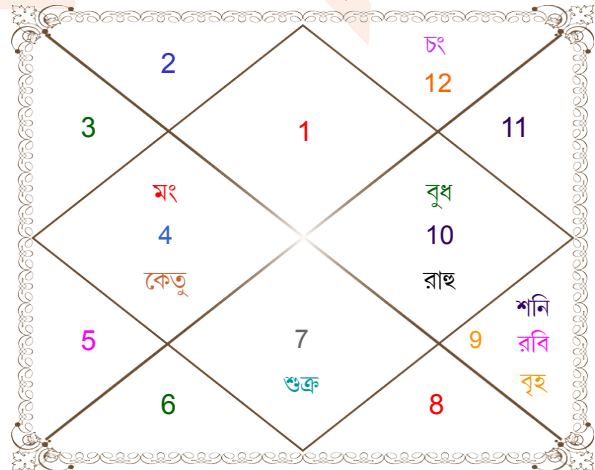
### ভাব অবস্থান

খানা সংখ্যা	অধিপতি	শা গৃহ	ভাগ্য জগানোবালা	শোয়া	উঃ	নীঃ
1	মং	রবি	মং	হাঁ	রবি	শনি
2	শুক্র	বৃহ	চং	হাঁ	চং	—
3	বুধ	মং	বুধ	হাঁ	রাহু	কেতু
4	চং	চং	চং	—	বৃহ	মং
5	রবি	বৃহ	রবি	হাঁ	—	—
6	বুধ	বুধ,কেতু	কেতু	হাঁ	বুধ,রাহু	শুক্র,কেতু
7	শুক্র	শুক্র,বুধ	শুক্র	—	শনি	রবি
8	মং	মং,শনি	চং	হাঁ	—	চং
9	বৃহ	বৃহ	শনি	—	কেতু	রাহু
10	শনি	শনি	শনি	—	মং	বৃহ
11	শনি	শনি	বৃহ	হাঁ	—	—
12	বৃহ	বৃহ,রাহু	রাহু	—	শুক্র,কেতু	বুধ,রাহু

#### লগ্ন কুন্ডলী



#### লালকিতাব কুন্ডলী



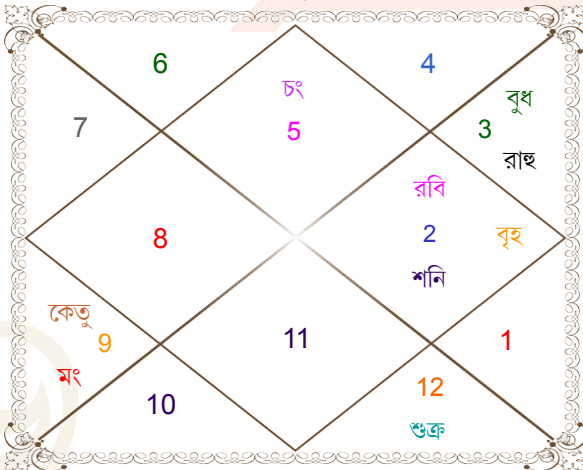
## মৈত্রীচক্র সারণী

গ্রহ	রবি	চং	মং	বুধ	বৃহ	শুক্র	শনি	রাহু	কেতু
রবি	—	মিত্র	মিত্র	শত্রু	মিত্র	সম	সম	সম	শত্রু
চং	মিত্র	—	শত্রু	মিত্র	শত্রু	শত্রু	শত্রু	শত্রু	সম
মং	মিত্র	মিত্র	—	সম	মিত্র	শত্রু	শত্রু	শত্রু	সম
বুধ	মিত্র	সম	শত্রু	—	শত্রু	মিত্র	শত্রু	মিত্র	শত্রু
বৃহ	মিত্র	মিত্র	মিত্র	সম	—	সম	শত্রু	শত্রু	শত্রু
শুক্র	সম	সম	শত্রু	মিত্র	শত্রু	—	মিত্র	সম	মিত্র
শনি	সম	সম	সম	মিত্র	শত্রু	মিত্র	—	মিত্র	শত্রু
রাহু	সম	শত্রু	সম	মিত্র	শত্রু	সম	মিত্র	—	মিত্র
কেতু	শত্রু	সম	সম	শত্রু	শত্রু	মিত্র	শত্রু	মিত্র	—

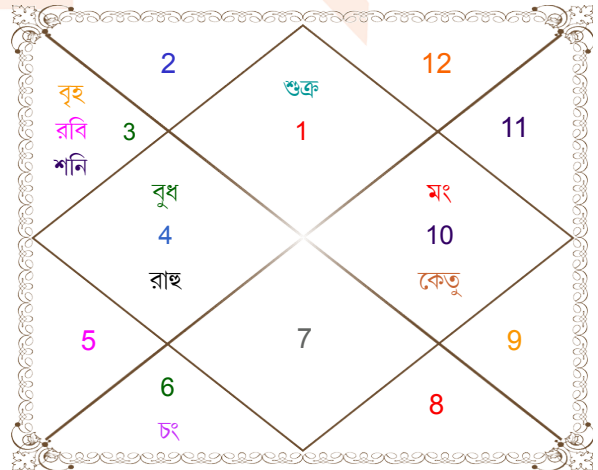
## গ্রহ/রাশিফল

গ্রহ	বর্ণন	ফল
রবি	লম্বা আয়ু ভারী কবীলা।	—
চং	রাতের তূফান যাতে বসিত শেষ।	—
মং	জলতী আগ, বদীর সরদার।	রাশি
বুধ	প্রসন্নতা সহ নির্বাহ করার জন্য হজুরিয়া।	রাশি
বৃহ	ধন ত্যাগী।	গ্রহ
শুক্র	জৈসা য়হ বৈসী বহ পাবে সাথী কা প্রভাব, অকেলা নেক।	গ্রহ
শনি	কলম বিধাতা মকানা মর্দা।	রাশি
রাহু	সাংপ কী মণি য়া সাংপ কা ফন।	—
কেতু	বচেচাং কো ডডরানে বালা কু া।	রাশি

### চন্দ্র কুন্ডলী



### লালকিতাব চন্দ্র





## গ্রহের ডিগ্রী এবং তার অবস্থান

গ্রহ	ব	অ	রাশি	ডিগ্রী	গতি	নক্ষত্র	পদ	সংখ্যা	রা	ন	অ	স্থিতি
লং			কন্যা	25:39:19	314:47:22	চিত্রা	1	14	বুধ	মং	রাহু	---
রবি			বৃষ	14:13:03	00:57:34	রোহিণী	2	4	শুক্র	চং	বৃহ	শত্রুরাশি
চং			সিংহ	07:23:36	14:12:24	মঘা	3	10	রবি	কেতু	রাহু	মিত্ররাশি
মং	ব		ধনু	03:12:10	00:13:04	মূলা	1	19	বৃহ	কেতু	রবি	মিত্ররাশি
বুধ			মিথু	04:47:20	00:26:55	মৃগশিরা	4	5	বুধ	মং	শুক্র	স্বরাশি
বৃহ			বৃষ	25:55:55	00:13:44	মৃগশিরা	1	5	শুক্র	মং	রাহু	শত্রুরাশি
শুক্র			মীন	28:47:57	00:52:40	রেবতী	4	27	বৃহ	বুধ	শনি	উচচস্থ
শনি		অ	বৃষ	10:59:30	00:07:46	রোহিণী	1	4	শুক্র	চং	চং	মিত্ররাশি
রাহু			মিথু	12:47:18	00:00:32	আর্দ্রা	2	6	বুধ	রাহু	বুধ	উচচস্থ
কেতু			ধনু	12:47:18	00:00:32	মূলা	4	19	বৃহ	কেতু	বুধ	উচচস্থ
ইউ			কুম্ভ	00:57:57	00:00:01	ধনিষ্ঠা	3	23	শনি	মং	বুধ	---
নেপ	ব		মক	14:48:54	00:00:35	শ্রবণা	2	22	শনি	চং	বৃহ	---
প্লু	ব		বৃশ্চি	20:12:49	00:01:36	জ্যেষ্ঠা	2	18	মং	বুধ	শুক্র	---
দশম ভাব			মিথু	26:42:41	--	পূনর্বসু	--	7	বুধ	বৃহ	শুক্র	--

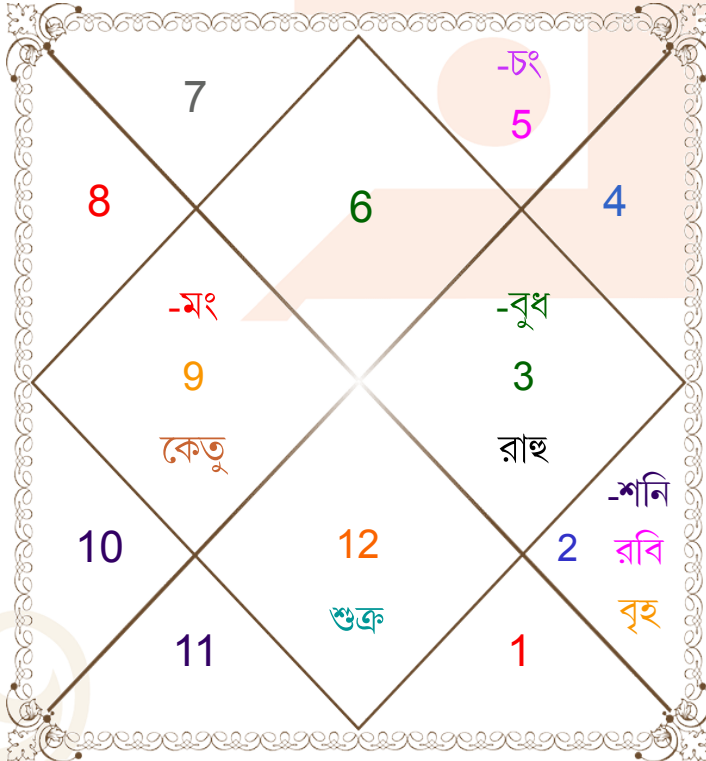
ব - বক্রী স - স্থির

অ - অস্ত পূ - পূর্ণ অস্ত

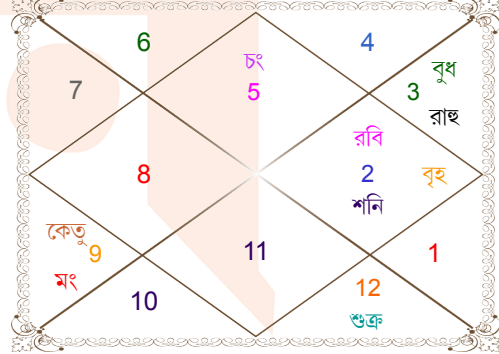
রাহু : স্পর্শ

লাহিড়ী অয়নাংশ : 23:52:18

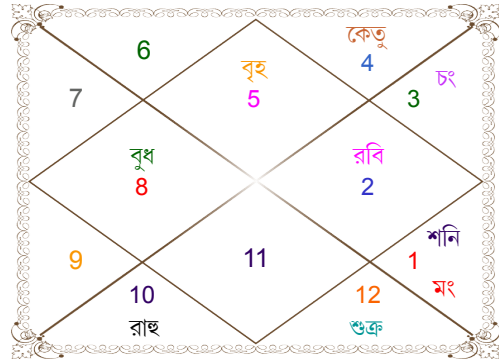
### লগ্ন চলিত



### চন্দ্র কুন্ডলী



### নবাংশ কুন্ডলী



# চলিত এবং নিরয়ন ভাব চলিত

## চলিত ডিগ্রী

ভাব	ভাব সন্ধি	ভাব মধ্য
1	কন্যা 10:49:53	কন্যা 25:39:19
2	তুলা 10:49:53	তুলা 26:00:26
3	বৃশ্চিক 11:11:00	বৃশ্চিক 26:21:33
4	ধনু 11:32:07	ধনু 26:42:41
5	মকর 11:32:07	মকর 26:21:33
6	কুম্ভ 11:11:00	কুম্ভ 26:00:26
7	মীন 10:49:53	মীন 25:39:19
8	মেঘ 10:49:53	মেঘ 26:00:26
9	বৃষ 11:11:00	বৃষ 26:21:33
10	মিথুন 11:32:07	মিথুন 26:42:41
11	কর্কট 11:32:07	কর্কট 26:21:33
12	সিংহ 11:11:00	সিংহ 26:00:26

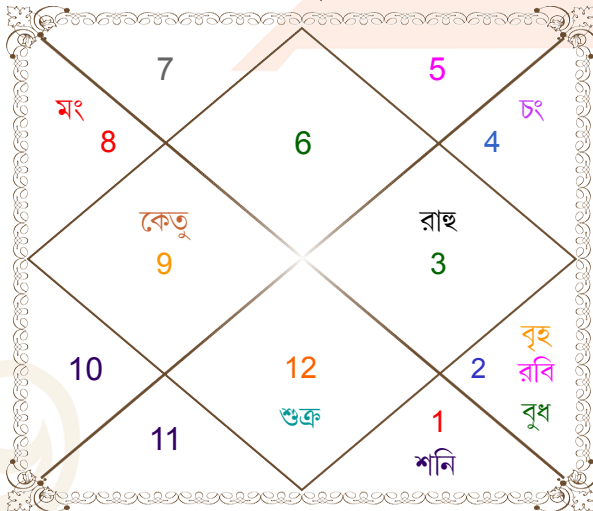
## নিরয়ন ভাব চলিত

ভাব	রাশি	ডিগ্রী
1	কন্যা	25:39:19
2	তুলা	24:17:26
3	বৃশ্চিক	24:52:26
4	ধনু	26:42:41
5	মকর	28:39:57
6	কুম্ভ	28:51:17
7	মীন	25:39:19
8	মেঘ	24:17:26
9	বৃষ	24:52:26
10	মিথুন	26:42:41
11	কর্কট	28:39:57
12	সিংহ	28:51:17

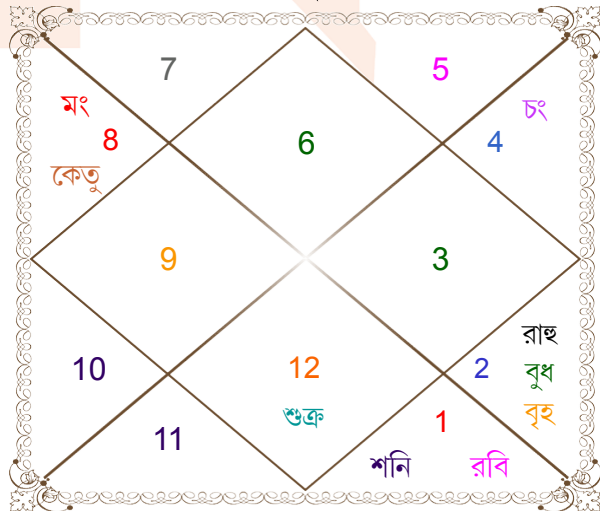
## তারা চক্র

জন্ম	সম্পত	বিপত	ক্ষেম	প্রত্যারি	সাধক	বধ	মিত্র	অতিমিত্র
মঘা	শুক্রীফাল	উন্নীফাল	হস্তা	চিত্রা	স্বাতি	বিশাখা	অনুরাধা	জ্যেষ্ঠা
মূলা	পূর্বাষাঢ়া	উত্তরাষাঢ়া	শ্রবণা	ধনিষ্ঠা	শতভিষা	পূ ভাদ্রপদ	উ ভাদ্রপদ	রেবতী
অশ্বিনী	ভরণী	কৃত্তিকা	রোহিণী	মৃগশিরা	আর্দ্রা	পুনর্বসু	পুষ্যা	অশ্লেষা

## চলিত কুম্ভলী



## ভাব কুম্ভলী



## লালকিতাব দশা

<b>শনি 6 বর্ষ</b> 29/05/2001 30/05/2007		<b>রাহু 6 বর্ষ</b> 30/05/2007 29/05/2013		<b>কেতু 3 বর্ষ</b> 29/05/2013 29/05/2016		<b>বুধ 6 বর্ষ</b> 29/05/2016 29/05/2022		<b>রবি 2 বর্ষ</b> 29/05/2022 29/05/2024	
রাহু	30/05/2003	মং	29/05/2009	শনি	29/05/2014	কেতু	29/05/2018	রবি	28/01/2023
বুধ	29/05/2005	কেতু	30/05/2011	রাহু	30/05/2015	বুধ	29/05/2020	চং	28/09/2023
শনি	30/05/2007	রাহু	29/05/2013	কেতু	29/05/2016	রবি	29/05/2022	মং	29/05/2024
<b>চং 1 বর্ষ</b> 29/05/2024 29/05/2025		<b>শুক্র 3 বর্ষ</b> 29/05/2025 29/05/2028		<b>মং 6 বর্ষ</b> 29/05/2028 29/05/2034		<b>বুধ 2 বর্ষ</b> 29/05/2034 29/05/2036		<b>শনি 6 বর্ষ</b> 29/05/2036 29/05/2042	
বুধ	28/09/2024	মং	29/05/2026	মং	29/05/2030	চং	28/01/2035	রাহু	29/05/2038
রবি	27/01/2025	শুক্র	30/05/2027	শনি	29/05/2032	মং	28/09/2035	বুধ	29/05/2040
চং	29/05/2025	বুধ	29/05/2028	শুক্র	29/05/2034	বুধ	29/05/2036	শনি	29/05/2042
<b>রাহু 6 বর্ষ</b> 29/05/2042 29/05/2048		<b>কেতু 3 বর্ষ</b> 29/05/2048 30/05/2051		<b>বুধ 6 বর্ষ</b> 30/05/2051 29/05/2057		<b>রবি 2 বর্ষ</b> 29/05/2057 30/05/2059		<b>চং 1 বর্ষ</b> 30/05/2059 29/05/2060	
মং	29/05/2044	শনি	29/05/2049	কেতু	29/05/2053	রবি	28/01/2058	বুধ	28/09/2059
কেতু	29/05/2046	রাহু	29/05/2050	বুধ	30/05/2055	চং	28/09/2058	রবি	28/01/2060
রাহু	29/05/2048	কেতু	30/05/2051	রবি	29/05/2057	মং	30/05/2059	চং	29/05/2060
<b>শুক্র 3 বর্ষ</b> 29/05/2060 30/05/2063		<b>মং 6 বর্ষ</b> 30/05/2063 29/05/2069		<b>বুধ 2 বর্ষ</b> 29/05/2069 30/05/2071		<b>শনি 6 বর্ষ</b> 30/05/2071 29/05/2077		<b>রাহু 6 বর্ষ</b> 29/05/2077 30/05/2083	
মং	29/05/2061	মং	29/05/2065	চং	28/01/2070	রাহু	29/05/2073	মং	30/05/2079
শুক্র	29/05/2062	শনি	30/05/2067	মং	28/09/2070	বুধ	30/05/2075	কেতু	29/05/2081
বুধ	30/05/2063	শুক্র	29/05/2069	বুধ	30/05/2071	শনি	29/05/2077	রাহু	30/05/2083
<b>কেতু 3 বর্ষ</b> 30/05/2083 29/05/2086		<b>বুধ 6 বর্ষ</b> 29/05/2086 29/05/2092		<b>রবি 2 বর্ষ</b> 29/05/2092 29/05/2094		<b>চং 1 বর্ষ</b> 29/05/2094 30/05/2095		<b>শুক্র 3 বর্ষ</b> 30/05/2095 29/05/2098	
শনি	29/05/2084	কেতু	29/05/2088	রবি	27/01/2093	বুধ	28/09/2094	মং	29/05/2096
রাহু	29/05/2085	বুধ	29/05/2090	চং	28/09/2093	রবি	28/01/2095	শুক্র	29/05/2097
কেতু	29/05/2086	রবি	29/05/2092	মং	29/05/2094	চং	30/05/2095	বুধ	29/05/2098
<b>মং 6 বর্ষ</b> 29/05/2098 30/05/2104		<b>বুধ 2 বর্ষ</b> 30/05/2104 30/05/2106		<b>বুধ 2 বর্ষ</b> 30/05/2104 30/05/2106		<b>বুধ 2 বর্ষ</b> 30/05/2104 30/05/2106		<b>বুধ 2 বর্ষ</b> 30/05/2104 30/05/2106	
মং	30/05/2100	চং	28/01/2105	চং	28/01/2105	চং	28/01/2105	চং	28/01/2105
শনি	30/05/2102	মং	29/09/2105	মং	29/09/2105	মং	29/09/2105	মং	29/09/2105
শুক্র	30/05/2104	বুধ	30/05/2106	বুধ	30/05/2106	বুধ	30/05/2106	বুধ	30/05/2106

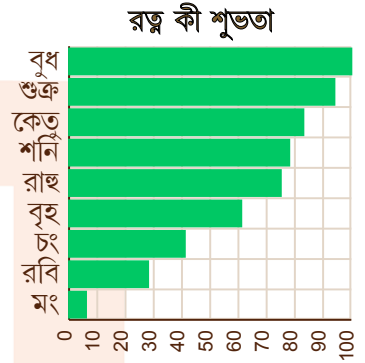
স্নেহবর্ষের লাল কিতাব দশা তিন চক্রে  
উপরোক্ত তিথিগুলির দশা সমাপ্তির সময় বর্ণিত।  
র জন্য উল্লেখ করা হল।

## রত্ন চয়ন

রত্নশ্রেণীকল্পিতশ্রেণীভিত্তিক বৃদ্ধি কে লিএ ধারণ কিএ জাতে হৈং। বৈজ্ঞানিক র গৃহ কী রাশিযোং কো পর্গমাত্রা মেং মানব শরীর মেং প্রবাহিত কর গৃহ প্রভাব কী বৃদ্ধি করতে হৈং। যহী কারণ হৈ কি রত্ন কেবল শুভ গৃহোং কা হী ধারণ কিয়া জাতা হৈ। গৃহ শুভ মানা জাতা হৈ যদি যহ লগ্ন, ত্রিকোণ যা কেন্দ্র মেং স্থাপিত হো যা স্বামী হো। যহ অশুভ হোতা হৈ যদি যহ ত্রিক ভাব সে সংবংধিত হো। মিত্রোং কী ফতি যা দৃষ্টি ভী ইসকী শুভতা বঢ়াতী হৈ। বাধক ভাব কা স্বামিত্ব শুভতা কম কর দেতা হৈ। চর লগ্নোং মেং একাদশ, স্থির মেং নবম ব দ্বিস্বভাব মেং সপ্তম ভাব কী বাধক সংজ্ঞা হৈ। উপরোক্ত তথ্য রত্ন চয়ন হেতু গৃহ কী শুভতা দশাতে হৈং।

নীচে জন্মকন্ডলী মেং গৃহোং কী শুভতা কো সারণী ব গ্রাফ মেং দর্শিত কিয়া गया হৈ। साथ ही केटौन सा गृह किस त्त्रे में कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है। विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नों की शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है। जिस गृह को १५ प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसको रत्न हमें सर्वदा खिन्ना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिसेहं -१५ प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसेहं कार्य त्त्रे खानदपारमेउंअमारण करना चाहिए। जो रत्न केवल २५ -५० प्रतिशत शुभता लिए हैं उनके रत्न खेविलतउंकेकीआा उनके मित्रों की दशा में धारण करने चाहिए। अन्ततः जिसेहं कम शुभता प्राप्त है वे गृह अपने लिए अशुभ ही समरों नर उनके रत्नों को पहनने से बचना चाहिए।

रत्न	गृह	शुभता क्षेत्र
पान्ना	बुध	100% व्यवसायिक उन्नति, स्वास्थ्य
हीरा	शुक्र	94% दम्पति, भाग्योदय, धन
वैदूर्यमणि	केतु	83% सुख, भाग्योदय
नीला	शनि	78% भाग्योदय, सन्तति सुख, शत्रु एवं रोग मुक्ति
गोमेद	राह	75% व्यवसायिक उन्नति
पोखराज	बृह	61% भाग्योदय, सुख, दम्पति
मुञ्जा	चं	41% व्याय, हानि
माणिक्य	रवि	28% नेष्ट भाग्य, व्याय
प्रवाल	मं	6% गृह कलेश, दूर्यटना, पराक्रम हानि

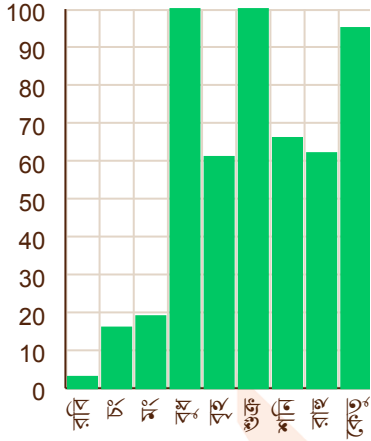


### दशानुसार रत्न विचार

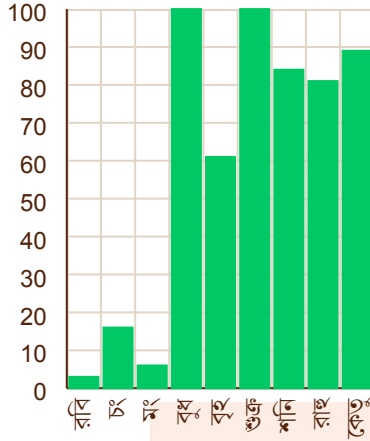
दशा	समाप्ति	माणिक्य	मुञ्जा	प्रवाल	पान्ना	पोखराज	हीरा	नीला	गोमेद	वैदूर्यमणि
केतु	11/07/2004	3%	16%	19%	100%	61%	100%	66%	62%	95%
शुक्र	11/07/2024	3%	16%	6%	100%	61%	100%	84%	81%	89%
रवि	12/07/2030	52%	52%	19%	100%	67%	81%	66%	62%	70%
चं	11/07/2040	41%	58%	6%	100%	61%	94%	78%	62%	70%
मं	12/07/2047	41%	52%	31%	98%	67%	94%	78%	62%	89%
राह	11/07/2065	3%	16%	0%	100%	61%	100%	84%	88%	70%
बृह	11/07/2081	41%	52%	19%	98%	73%	81%	78%	75%	83%
शनि	12/07/2100	3%	16%	0%	100%	61%	100%	91%	81%	70%
बुध	12/07/2117	41%	16%	6%	100%	61%	100%	78%	75%	83%

# दशग्राफ

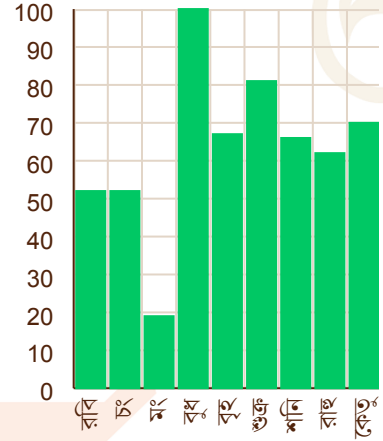
केतु - 11/07/2004



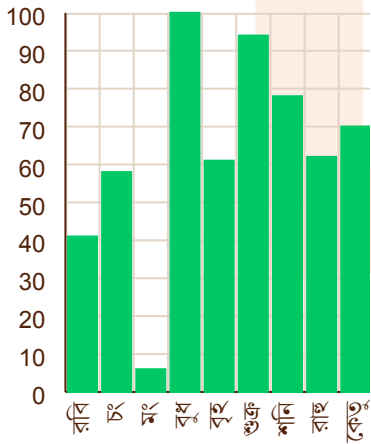
शुक्र - 11/07/2024



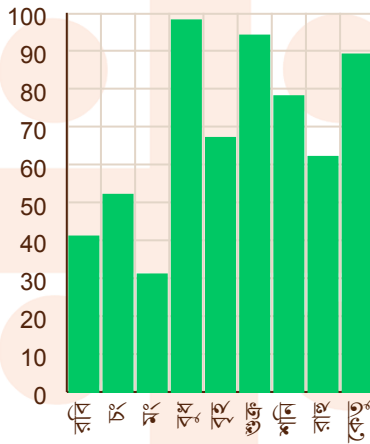
रवि - 12/07/2030



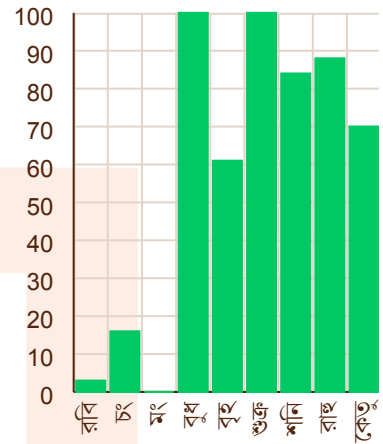
चंद्र - 11/07/2040



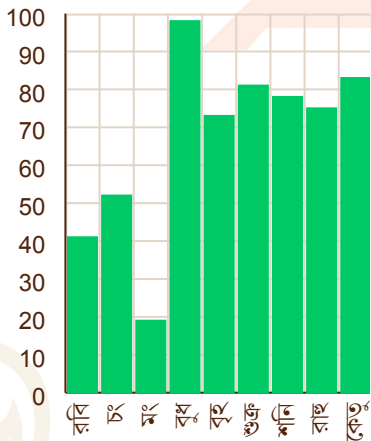
मङ्गल - 12/07/2047



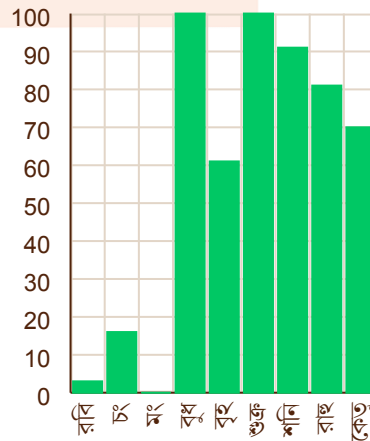
राह - 11/07/2065



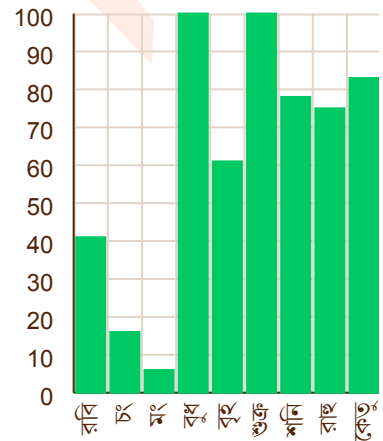
बृहस्पति - 11/07/2081



शनि - 12/07/2100



बुध - 12/07/2117



## মাঙ্গলিক বিচার

জব বর যা কন্যা কী কুণ্ডলী মেং মঙ্গল লগ্ন, চতুর্থ, সপ্তম, অষ্টম তথা গাদশ ভাব মেং হো তো মাঙ্গলিক দোষ कहलाता है। यथोक्तम्

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।

स्त्रीर्जर्तुर्विनाशनी विनाशनम्।।

यदि जातक जातिकार कुष्ठिते मङ्गल ग्रह चतुर्थ घर, सप्तम घर, अष्टम घर वा द्वादश घरे स्थित হয় তবে এটাকে মাঙ্গলিক দোষ বলা হয়। মঙ্গল চন্দ্রের সংগে যুক্ত হয়ে প্রবল হয়। যদি শাস্ত্রানুসারে জাতক ও জাতিকা মাঙ্গলিক দোষমুক্ত হয় তবে তারা সুখে নিশ্চিন্তে বৈবাহিক জীবন যাপন করবেন। অন্যদিকে যদি তারা এই দোষমুক্ত না হয় তবে তারা অযথা বাধা ও সমস্যার সম্মুখীন হয়। সুতরাং পুরুষ ও মহিলা উভয়েরই বৈবাহিক জীবন শুরু করার পূর্বে উভয়ের কুষ্ঠিকে ভাল ভাবে বিচার করা উচিত। মাঙ্গলিক দোষ ভালভাবে মুক্ত করার পরে তারা শান্তিপূর্ণ বৈবাহিক জীবন যাপন করতে পারবেন।

\*\*\*\*\*

আপনার কোষ্ঠিতে মঙ্গল চতুর্থ ঘরে অবস্থান করছে এবং এটা নির্দেশ করে যে আপনি একজন মাঙ্গলিক ব্যক্তিত্বের পরিশ্রম দ্বারা প্রচুর সম্পত্তি ও বিলাসিতা অর্জন করবেন। শারীরিক ভাবে আপনি সুখী এবং স্বাস্থ্যবান থাকবেন। কিন্তু আক্রমণাত্মক মনোভাব আপনার আচরণে কোনো কোনো সময়ে প্রকাশ পেতে পারে। মঙ্গলের প্রভাবে আপনার বিবাহ দেরী হতে পারে এবং বিবাহের সম্বন্ধে সময়েও তা ভেঙ্গে যেতে পারে। কিন্তু বিবাহের পরে আপনার স্ত্রীর ভাল স্বাস্থ্য হবে এবং মানসিক শান্তির অধিকারী হবেন। আপনাদের মধ্যে মনোমালিন্য যোগ দেখা যায় না।

মঙ্গল চতুর্থ ঘরে থাকার জন্য আপনাকে প্রচুর পরিশ্রম করে বিলাস সামগ্রী এবং স্বাচ্ছন্দ্য অর্জন করতে হবে। মঙ্গল সপ্তম ঘরে থাকতে আপনার স্ত্রী ইশ্বরের কৃপা এবং সুস্বাস্থ্যের অধিকারী হবেন। এটা সপ্তমে প্রবেশ করায় আপনার স্ত্রী ভাল স্বাস্থ্য উপভোগ করবেন। তিনি প্রকৃতিগত ভাবে আক্রমণাত্মক হবেন কিন্তু এটা তাঁর দাম্পত্য জীবনকে প্রভাবিত করবে না। মঙ্গল দশম ঘরে থাকার জন্য আপনি আপনার কাজে সফল হবেন। পদোন্নতির যোগ আছে আপনার মর্যাদা এবং সম্মান বৃদ্ধি পাবে। মঙ্গল থাকার জন্য আপনার আর্থিক ক্ষমতা সাধারণ ভাবে বৃদ্ধি পাবে। বিভিন্ন দিক থেকে বা উৎস থেকে প্রচুর টাকা আসার অনেক সম্ভাবনা আছে।

মঙ্গলের প্রভাব বৃদ্ধি করার জন্য এবং দাম্পত্য জীবন সুখের করতে এবং ভালো ফল পেতে আপনি অবশ্যই এরকম মেয়েকে বিয়ে করবেন, যিনি মাঙ্গলিক নন বা যার মাঙ্গলিক দোষ শাস্ত্র অনুসারে হ্রাস করা হয়েছে। আপনি জীবনে স্হাবর ও অস্হাবর সম্পত্তির অধিকারী হবেন। আপনার স্ত্রীর সঙ্গে ভাল সম্পর্ক থাকার জন্য আপনি আপনার বৈবাহিক জীবনে শান্তিতে থাকবেন।

# কালসর্প যোগ

অগ্নে রাহুরথ কেতু সর্বে মধ্যগতা গৃহা।  
যোগা যং কালসর্পাখ্যা শীঘ্রং তং তু বিনাশয।।

রাহু এবং কেতু গৃহের মধ্যে বাকি সমস্ত সাত গৃহ বিদ্যমান থাকলে, কালসর্প যোগ গঠিত হয়। এই কালসর্প যোগের অশুভ ফল থেকে মুক্তি পেতে এর নিবারণ করা অত্যন্ত জরুরী।

কুন্ডলীর দ্বাদশ ভাবে রাহুর উপস্থিতি অনুযায়ী প্রধানত দ্বাদশ প্রকার কালসর্প যোগ গঠিত হয়-  
১. অনন্ত ২. কুলিক ৩. বাসুকি ৪. শংখপাল ৫. পদ্ম ৬. মহাপদ্ম ৭. তক্ষক ৮. ককোটিক ৯. শংখচূড় ১০. স্নাতকবিষধর ১১. শেষনাগ।

কালসর্প যোগ উদিত এবং অনুদিত দুই প্রকারের হয়। রাহুর সামনে/মুখে সমস্ত সাত গৃহ গৃহিত থাকলে তাহা উদিত গোলার্ধে যোগ তৈরী করে এবং রাহুর পশ্চাৎ দিক থেকে যদি সাত গৃহ স্থাপিত হয় তা অনুদিত গোলার্ধ নামক যোগ তৈরী করে। যদি রাহু ও কেতুর মধ্যে স্থিত গৃহে কিছু গৃহ রাহু-কেতুর অক্ষ সামান্য বাইরে থাকে তা আংশিক কালসর্প যোগ হিসাবে পরিগণিত হয়।

যদি রাহু-কেতুর মধ্যে সমস্ত ভাবস্থানে কোনো না কোনো গৃহ স্থিত হয় তা পূর্ণ কালসর্প যোগ গঠিত করে। যদি রাহু, কেতুর সঙ্গে সূর্য ও চন্দ্র থাকে তাহলে কালসর্প যোগের প্রভাব বৃদ্ধি পায়। যদি রাহু, সূর্য এবং চন্দ্র একসাথে অবস্থান করে তাহলে গৃহগণনা জটিল হয়ে গঠিত হয়। এই র কালসর্প যোগের শান্তি করানো অত্যন্ত আবশ্যিক হয়।

## কালসর্প যোগের প্রভাব

এই যোগে উৎপন্ন জাতক মানসিক অশান্তি, ধনপ্রাপ্তিতে বাধা, সন্তান জন্মে অবরোধ এবং গৃহস্থ জীবনের প্রতিমুহূর্তে অশান্তির সম্মুখীন হয়। জাতক প্রায়ই দুঃস্বপ্ন দেখে। কিছু না কিছু অশুভ ঘটনার আশঙ্কা মনের মধ্যে থাকে। নিজস্ব ক্ষমতা ও কার্য কুশলতার পূর্ণ ফল প্রাপ্ত করে না অথবা দেরীতে সফলতা প্রাপ্ত করে। এই যোগে হঠাৎ লোকসান বা প্রতিষ্ঠা হানির সম্মুখীন হয়।

কালসর্প যোগের কারণে, জাতক বাত, পিত্ত, কফ ত্রিদোষজনিত অসামান্য রোগে পতিত হয়। এমন কোনো রোগ যা প্রতিদিনের কষ্টের কারণ হয় এবং ঔষধ গৃহণ সত্ত্বেও অসুস্থ থাকে। কালসর্প যোগের বিধিবিৎ উপচারের দ্বারা এরূপ কষ্ট থেকে মুক্তি পাওয়া সম্ভব। জন্মপত্রিকানুসারে যখন যখন রাহু ও কেতুর দশা-অন্তর্দশা আসে এই দোষের ফল পরিদর্শিত হয়। গোচরে রাহু, কেতু যখন জন্মকালীন রাহু কেতুর উপর ভ্রমণ করে, এই অশুভ যোগ সক্রিয় হয়ে যায়। উক্তসময়ে বিশেষভাবে শ্রদ্ধা, বিশ্বাস সহকারে পূজা অর্চনাদি করলে লাভ প্রাপ্ত হয়। কালসর্প যোগ যন্ত্রের সম্মুখে ৪৩ দিন সরষের তেলের প্রদীপ জ্বালিয়ে রাখলে এই কষ্ট লাঘব হয় বা মুক্তি হয়।

## জাতক পর কালসর্প যোগের প্রভাব

আপনার জন্মকুন্ডলীতে ঘাতক কালসর্পযোগ আংশিক রূপে বিদ্যমান। পরিণামস্বরূপ জাতক জন্মাবস্থাতেই পরিবার থেকে পৃথক হয়ে পড়ে তবে দাদু-দিদা অথবা ঠাকুমা-ঠাকুরদার স্নেহ লাভ করবেন। জাতকের মাতাপিতার মৃত্যুর সম্ভাবনা আছে। জাতকের দাম্পত্য জীবন সুখকর হবে না। জাতকের স তান

প্রায়শই অসুস্থ থাকবে ফলে জাতক সর্বদা চিন্তাগ্রস্ত থাকবেন। গৃহে সুখ-শান্তির অভাব দেখা দেবে। চাকুরী ক্ষেত্রে নানা সমস্যার সৃষ্টি হয় এমনকি পদচ্যুতির সম্ভাবনা থাকে। ব্যবসায়িক ক্ষেত্রে লোকসান দেখা যায় বা পরিশ্রম অনুযায়ী অর্থ প্রাপ্তি ঘটে না। এমনকি আর্থিক ক্ষতিও হতে পারে। জাতকের শত্রু বৃদ্ধি হয় এবং শত্রুরা সর্বদাই জাতকের বিরুদ্ধে ষড়যন্ত্র করবে। জাতক বশু বাশ্ব দ্বারা প্রতারিত হতে পারেন। সরকারী পদাধিকারী ব্যক্তিদের দ্বারা সমস্যায় পড়তে পারেন।

এই যোগের প্রভাবে জাতক নানা রোগ ব্যাধি দ্বারা আক্রান্ত হবেন। কখনও কখনও আঘাত লাগার ও সম্ভাবনা থাকবে। জাতককে সুখ শান্তির জন্য প্রচুর সংঘর্ষ করতে হবে। তবে উত্তম অসুবিধার মধ্য দিয়েও জাতক উচ্চপদ ও সামাজিক প্রতিষ্ঠা লাভে সক্ষম হবেন।

যদি আপনি উপরোক্ত ঐশ্বরিক সঙ্কটসমস্যার সম্মুখীন হন তবে নিম্নলিখিত পন্থা করুন, অবশ্যই লাভ হবে।

- (১) কালসর্পদোষ নিবারণ যন্ত্র ঘরে স্থাপিত করে রোজ পূজা করুন।
- (২) 'ওঁ নমঃ শিবায়' এর প্রতিদিন ১০৮ বার জপ করুন।
- (৩) তাম্র পাত্রে একজোড়া সর্প জলের স্রোতে প্রবাহিত করুন।
- (৪) নবনাগ স্তোত্র একবছর প্রদিন পাঠ করুন।
- (৫) স্বাস্থ্য দক্ষ জপতন্ত্রদর্শনা থাকাকালীন মন্ত্রটি কমপক্ষে প্রতিদিন করুন।
- (৬) শুভ মুহুর্তে অভিমন্ত্রিত গোমেদ ধারণ করুন।
- (৭) শ্রীমহাদেবের অভিষেক করুন।
- (৮) এক বছর পর্যন্ত সরস্বতী দেবীর বিধিবৎ উপাসনা করুন।
- (৯) রাহু কবচ ও স্তোত্র পাঠ করুন।
- (১০) প্রত্যেক সোমবার ভগবান শঙ্করকে দই দিয়ে অভিষেক করুন 'ওঁ হর হর মহাদেব' বলে। এটি ১৬ সোমবার করা প্রয়োজন।
- (১১) রান্না ঘরে বসে খান।
- (১২) শুভ মুহুর্তে প্রবাহমান জলে কয়লা তিনবার ভাসিয়ে দিন।
- (১৩) গোমেদ, সুবর্ণ, তিল, সরষে, নীলবস্ত্র, কঙ্কল, ঘোড়া আদি সময় সময় দান করুন।
- (১৪) শূভ মুহুর্তে শূভ্র ধাতু নির্মিত নাগ আটকে দিন।
- (১৫) হনুমান চালীসা একশত আঠবার পাঠ করুন।

বিশেষ :

কালসর্পযোগের পূজা কেবল শ্রীখন্ড চন্দন দ্বারাই সম্পন্ন হয়। কুমকুম, সিঁদুর, রৌলী ইত্যাদি ব্যবহার করা নিষিদ্ধ।



## অঙ্ক জ্যোতিষ ফল

নাম	Sample
জন্ম তিথি	29/05/2001
মূলাঙ্ক	2
ভাগ্যাঙ্ক	1
নামাঙ্ক	6
জন্ম সংখ্যাধিপতি	চন্দ্র
ভাগ্যাধিপতি	রবি
নামাঙ্কাধিপতি	শুক্র
মিত্র অঙ্ক	7, 9, 1
শত্রু অঙ্ক	5, 8
নিরপেক্ষ	3, 4, 6
গুরত্বপূর্ণ বর্ষ	2018,2027,2036,2045,2054,2063,2072,2081
শুভ বর্ষ	17,26,35,44,53,62,71,80
শুভদিন	সোম, রবি, শুক্র
শুভ মাস	ফেব্রু, জুলা, সেপ্ট
শুভ তারিখ	2, 11, 20, 29
শুভ রত্ন	মুক্তা
শুভ উপরত্ন	চন্দ্রমণি
দেবতা	শিব
শুভধাতু	রৌপ্য
শুভ রং	শ্বেত
মন্ত্র	ওঁ আং ঙিৎ স্রোং স্বাহা চন্দ্রাংশে নমঃ
শুভ যন্ত্র	চন্দ্র যন্ত্র

7	2	9
8	6	4
3	10	5

## অক্ষ বিজ্ঞান ফলিত

আপনার জন্ম দিনাঙ্ক ২৯। ২ এবং ৯ এর যোগফল ১১ তথা ১ এবং ১ এর যোগে আপনার মুলাঙ্ক ২ হবে। মুলাঙ্ক ২ এর অধিপতি চন্দ্র। সংখ্যা ৯ এর অধিপতি মঙ্গল এবং ১ এর অধিপতি সূর্য। সুতরাং চন্দ্র, মঙ্গল এবং সূর্যের মিলিত প্রভাব আপনার জীবনে প্রতিফলিত হবে।

মুলাঙ্ক ২ এর অধিপতি চন্দ্রের প্রভাবে আপনার কল্পনাশক্তি প্রবল হবে। আপনি স্নেহশীল, ভাবুক এবং শিল্পে আগ্রহী ব্যক্তি হবেন। যে ভাবে চন্দ্রমা বাড়তে কমতে থাকে তেমনি আপনার জীবনে অনেক ঞ্জন পতন ঘটবে। আপনি ঐশ্বর্যের দ্বারা সমস্ত কাজ সম্পন্ন করবে না।

আপনি পরিবর্তনশীল প্রকৃতির হওয়ার জন্য যে কোন একটি কার্যকে অসমাপ্ত রেখে অন্য একটি কাজ আরম্ভ করবেন। এর ফলে যে কোন কাজে আপনি দেরীতে সাফল্য পাবেন অথবা কাজটি অসমাপ্ত থেকে যাবে। সুতরাং আপনি নিজের উপর ভরসা রাখুন।

৯ এর অধিপতি মঙ্গলের প্রভাবে আপনার মধ্যে নেতৃত্ব দেওয়ার ক্ষমতা থাকবে। আপনি সমাজের অধিপতি হিসেবে প্রভাব বিস্তার করবেন। সংখ্যা ১ এবং প্রতিভাশালী ব্যক্তির সমাজে পরিচিত হবেন।

সূর্য গ্রহকে ভাগ্যাক্ষ ১ এর অধিষ্ঠাতা হিসাবে মানা হয়। এর প্রভাবে আপনি কার্যক্ষেত্রে চতুর, বুদ্ধিমান, বলবান, সাহসী এবং স্পষ্টবক্তা হিসাবে নিজেকে প্রতিষ্ঠা করবেন। আপনি গভীর, উদারহৃদয়, পরোপকারী এবং সংপথ অবলম্বনকারী ব্যক্তি হবেন। আপনি সহজেই বিরোধী পক্ষকে পরাস্ত করতে সক্ষম হবেন। আপনি স্বতন্ত্র ও স্থির বিচারধারার ব্যক্তি হবেন এবং রাজার ন্যায় একাধিপত্য বিস্তার করতে চাইবেন। আপনি অহঙ্কারী এবং আত্মাভিমानी হবেন।

অধিক পূর্বশ্রমের দ্বারা অধিষ্ঠিত সুখস্বাস্থ্যকামনা সমাজের বিভিন্ন ক্ষেত্রে নিজের প্রভাব বিস্তার করবেন। আপনার মধ্যে জীবনশক্তি প্রবল হবে। আপনি সর্বদা অন্যের মঙ্গল চিন্তা করবেন। আপনার ভাগ্য সহায় হওয়ার জন্য নিজের পরিশ্রম ও বুদ্ধির সাহায্যে সাফল্য লাভ করবেন। আপনি পেশা হিসাবে সেইসব ক্ষেত্রে গৃহন করবেন যেখানে নাম, যশ উভয়ই লাভ করা সম্ভব।

আপনার মুলাঙ্ক ২ ও ভাগ্যাক্ষ ১। মুলাঙ্ক ২ এর অধিপতি হল চন্দ্র এবং ভাগ্যাক্ষ ১ এর অধিপতি সূর্য এর মধ্যে সমতা থাকার ফলে উভয়ের প্রভাব মিলেমিশে আপনার জীবনে প্রতিফলিত হবে। আপনার জীবন সূর্য্যকিরনের ন্যায় প্রকাশিত ও ঘটনাবল্ হলে হবে। কখনো আপনি চরম সফলতা পাবেন আবার কখনো আপনি বিফলতার সম্মুখীন হবেন। চন্দ্রের প্রভাবে আপনার কল্পনাশক্তি প্রবল হবে এবং আপনি বিচার বিবেচনা দ্বারা কোন কাজ সম্পন্ন করলে সফলতা পাবেন। আপনি ঐশ্বর্যবলে কঠিন সমস্যার সমাধান করবেন।

আপনার মুলাঙ্ক ২ ও ভাগ্যাক্ষ ১ প্রভাবে ভাগ্যোদয় ১৯ বছর থেকে আরম্ভ হয়ে ২৮ বছর পর্যন্ত সময়কালে আপনার জীবনে উজ্জ্বলতা দেখাবে।

আপনার মুলাঙ্ক ২ এর মিত্র ৭ ও ৯ এবং ভাগ্যাক্ষ ১ এর মিত্র ৪ ও ৮। সুতরাং আপনার

জীবনে ৪, ৭, ৮, ৯ এই সংখ্যাগুলি অত্যন্ত গু  
ঘটবে।

শুধুমাত্র সাহায্যে আপনার জীবনে বিশেষ কিছু

আপনার মূল্যবান ও ভাগ্যাত্মকের মধ্যে সমতা থাকার ফলে উভয়ের প্রভাব স্বল্পপরিমাণে  
আপনার অনুকূল হবে। আপনার জীবনের বিভিন্ন ঘটনা এই সংখ্যার তারিখ, মাস অথবা বছরে ঘটবে। যদি  
কোন সময়ে এই সংখ্যার তারিখ, মাস অথবা বছরের সংগে আপনার জন্য নির্ধারিত শুভ দিন মিলে যায় তবে  
এই দিন আপনার পক্ষে অত্যন্ত ফলদায়ক হবে। যেমন এই দিন কোন নতুন কাজ আরম্ভ, চিঠি লেখা অথবা  
কোন উচ্চপদস্থ ব্যক্তির সংগে সাক্ষাতের পক্ষে উপযুক্ত। আপনি আপনার বিগত জীবনের ঘটনার উপর  
দৃষ্টিপাত করলে লক্ষ্য করবেন যে বেশীর ভাগ ঘটনাই এই সংখ্যার মাস, বছর অথবা দিনে ঘটেছে।

আপনার বিগত জীবনের উপযুক্ত **শুধুমাত্র** সাহায্যে যে সংখ্যাগুলি আপনার  
অনুকূল, সেই সংখ্যাগুলির উপর নির্ভর করে ভবিষ্যত পরিকল্পনা করলে তা অত্যন্ত ফলপ্রদ হবে।

আপনার পক্ষে জানুয়ারী, ফেব্রুয়ারী, এপ্রিল, জুলাই, অগাস্ট, সেপ্টেম্বর মাস বিশেষ ঘটনাবল  
হবে। আপনি যে কোন নতুন কাজ এমন দিনে আরম্ভ করুন যখন দিন, মাস, তারিখ, বছর আপনার মূল্যবান ও  
ভাগ্যবান এর সংগে মিলে যাবে।

**অনুকূল সংখ্যাগুলির ফল** ১, ২, ৪, ৭, ৮, ৯ হবে।

১. ১০, ১৯, ২৮, ৩৭, ৪৬, ৫৫, ৬৪, ৭৩
২. ১১, ২০, ২৯, ৩৮, ৪৭, ৫৬, ৬৫, ৭৪
৪. ১৩, ২২, ৩১, ৪০, ৪৯, ৫৮, ৬৭
৭. ১৬, ২৫, ৩৪, ৪৩, ৫২, ৬১, ৭০
৮. ১৭, ২৬, ৩৫, ৪৪, ৫৩, ৬২, ৭১
৯. ১৮, ২৭, ৩৬, ৪৫, ৫৪, ৬৩, ৭২

উপরোক্ত **শুধুমাত্র** আপনার জীবনে পরিবর্তন সাধন করবে। এইসব বছরগুলিতে নানা ধরনের  
ঘটনা ঘটবে যা অত্যন্ত স্মরণীয় হয়ে থাকবে।

## লগ্ন ফল

চিত্রার প্রথম পদে সিংহ নবাংশ এবং বৃষ দ্রেশকন্যার সহিত কন্যা লগ্ন উদয় আপনার জন্ম সময় আপনাকে উজ্জ্বলময়, পরিপূর্ণ এবং আনন্দময় জীবনের আশ্বাস দিচ্ছে। চন্দ্রবিগ্রহ করে বয়সের মধ্যে যখন আপনার ভাগ্য তুঙ্গে থাকবে।

আপনি দ্বৈত জীবন উপভোগ করবেন, যেহেতু আপনি ভীষণ সঙ্গে সঙ্গে উপহাসকে প্রতিহত করার ক্ষমতা আছে আপনার মধ্যে আপনি বাস্তববাদী ব্যক্তিত্বসিদ্ধ করার বাস্তব জ্ঞান থাকায় কাজ কর্মে সাহস এবং কুশলতা নিয়েই আত্মনি এগোন। উৎসাহ এবং উ পনা শক্তিতে ভরপুর হয়ে কাজ করে নিঃসন্দেহে আত্মশ্রী উল্লেখ করবেন। কিন্তু যথেষ্ট আয় হওয়া সত্ত্বেও আপনার জমা বিশেষ হবে না। কারণ জীবনের যা কিছু ভাল আপনি তা সকলই চান। ভাষ্কর্যপাঞ্চমসি চান, নিজ ইচ্ছা আত্মবাদকে তুট করতে চান এবং সাধারণ ভাবেই আপনি আপনার সময়কে ভালভাবে রাখতে চান। ধর্মভীরু মনের জন্য আপনি জ্যোতিষশাস্ত্র এবং গুপ্তবিদ্যায় ভীষণ উৎসাহী হবেন। আপনি ধর্মীয় স্থানে ভ্রমণ করবেন এবং সামাজিক ও সেবা কাজে ব্রত হবেন। আপনার সাহায্য প্রার্থীদের প্রতি আপনি দয়াবান এবং সহানুভূতি শীল হবেন।

যতদূর সম্ভব যে কোন পেশাই আপনার জন্য যথোপযুক্ত। তবুও যদি আপনি একজন আইনজ্ঞ একজন বৈজ্ঞানিক একজন ইঞ্জিনিয়ার অথবা একজন শল্য চিকিৎসক হন, তবে আপনি আরো বেশি সফল হবেন। ব্যবসায় আপনি সফল হবেন যদি সরকারী ঠিকাদারী, খেলাধুলার সরঞ্জাম রেডিও টেলিভিশন, গহনা অথবা যানবাহনের যন্ত্রাংশের ব্যবসা করেন।

সুঠাম দৈহিক গঠনবাহী ঋতু থাকার জন্য আপনি একক ব্যক্তি বা সকল ব্যক্তিদের ভীষণ ভক্তবক্ষু হবেন। যারাই আ পনার প্রতি আকৃষ্ট হবে তাদের অনেকেই আপনার কাছের লোক হয়ে উঠবে এবং এভাবেই তারা আপনার আগামী জীবনের উন্নতিকে এগিয়ে নিয়ে যাবে।

জীবনসাথী এবং সন্তানের কাছে অগাধ সুখ আরাম পাওয়ায় আপনার গৃহ শান্তিময় হয়ে উঠবে। আপনার কাজকর্মের হাজার ব্যস্ততা সত্ত্বেও আপনি পরিবারের জন্য যথেষ্ট সময় ব্যয় করবেন, যাদের সুখী রাখতে আপনি সবকিছু করতে রাজী।

নিঃসন্দেহে আপনার ভাল স্বাস্থ্য হবে, কিন্তু একটু আভাস দেওয়া যেতে পারে যে পরবর্তী জীবনে কিডনী এবং বলডার-এ অসুবিধা ভুগতে পারেন এবং প্রসাব এ কষ্ট হতে পারে। যদি সময়ে সঠিক ব্যবস্থা গ্রহণ করেন তবে এটা থেকে মুক্ত হতে পারেন। সোম, বুধ, বৃহস্পতি এবং শুক্রবার শুভ। শনিবার ও রবিবার ততটান্ধ, ৫, ৬ এবং ৭ নম্বর গুলি অতি শুভ ১ ও ৮ থেকে সরে থাকুন।

আপনার মত ব্যক্তিদের সহায়ক রঙ সাদা, হলুদ, সবুজ এবং এমারলড। লাল, কালো অথবা নীল কখনই পছন্দ করবেন না।

## গ্রহ ফল

### রবি

রবির অবস্থান হেতু আপনার জীবনে ব্যক্তিগত সমস্যার সৃষ্টি হবে। আপনি অমিতব্যয়ী।

রবির অবস্থানের দরুন আপনি অধার্মিক হবেন কিন্তু কন্যা লগ্নের উপস্থিতির ফলে কিছুটা ভিন্ন প্রকৃতির ফল পাবেন। ধার্মিক আচার অনুষ্ঠানে আপনি বিশ্বাস হারাবেন। ঈশ্বরের পূজা অথবা মূর্তিপূজায় আপনি বিশ্বাসী নন। ধর্মের প্রতি সময় নষ্ট না করে কর্মে মনসংযোগ করাকেই উচিত বলে মনে করেন। আপনার জীবনে বহু দুরভ্রমণের লক্ষণ আছে কিন্তু রবির উপস্থিতির দরুন আপনি লাভবান হওয়ার থেকে বঞ্চিত হবেন।

আপনার জন্মের সময় সূর্য নবমস্থানে অবস্থান করায় আপনার পিতার স্বাস্থ্য ভাল থাকলেও কোন সময়ে শারীরিক দুর্বলতা অনুভব করবেন। আপনি আপনার পিতার অনুপ্রেরণায় জীবনে সাফল্য লাভ করবেন।

আপনি আপনার পিতাকে ভক্তি ও শ্রদ্ধা করবেন। তবে আপনাদের মধ্যে কোনসময়ে মতপার্থক্য দেখা দিতে পারে। আপনার একে অপরকে সমর্থন করবেন।

### চন্দ্র

সিংহরাশির দ্বাদশস্থানে চন্দ্রের অবস্থান হেতু আপনার আর্থিক শিহ্নতাবস্থা বজায় থাকবে না। আর্থিক বিষয়ে মহানুভবতা আপনার একটি চারিত্রিক বৈশিষ্ট্য। আপনার মাসব্যাপী আয় একদিনে ব্যয় করবেন। আপনি নিজের প্রতি কম ব্যয় করবেন।

দেশের মধ্যে পেশা সংক্রান্ত ভ্রমণ করবেন। বিদেশের সুখকর ভ্রমণ হবে প্রধানত আরামের জন্য এবং প্রাকৃতিক সৌন্দর্যের টানে।

আপনার জন্মের সময় চন্দ্র দ্বাদশস্থানে অবস্থান করায় আপনার মায়ের স্বাস্থ্য ভাল যাবে। মাঝে মধ্যে তিনি শারীরিক যন্ত্রণায় কষ্ট পেতে পারেন। তিনি আপনাকে ভালবাসবেন এবং আপনার পক্ষ নেবেন। এছাড়া তিনি আপনাকে বিভিন্ন ধর্মীয় ও দাতব্য কাজে অনুপ্রাণিত করবেন।

আপনি আপনার মাকে শ্রদ্ধা ও ভক্তি করবেন। কিন্তু একে অপরকে সব বিষয়ে মানিয়ে চলতে পারবেন না। তবে আপনাদের মতপার্থক্য দীর্ঘস্থায়ী হবে না। আপনি মাকে সুখে শান্তিতে রাখার চেষ্টা করবেন।

### মঙ্গল

ধনুরাশির চতুর্থস্থানে মঙ্গলের অবস্থান হেতু আপনি সত্যপরায়ন। কিন্তু এর থেকে সমস্যা সৃষ্টি হবে। মায়ের সঙ্গে আপনার বিবাদের কারন হেতু আপনি সমস্যার সম্মুখীন হবেন। আপনি মায়ের সঙ্গে বিবাদের কারন উদ্ধার করতে পারবেন না এবং এই বিষয়ে আপনি চিন্তিত থাকবেন। আপনার মধ্যবয়সে আপনি এবং আপনার মা দুজনেই আলাদা থাকবেন। কিন্তু মাতৃসম্বন্ধীয় আত্মীয়দের কাছ থেকে আপনি

স

সম্পত্তি লাভ করবেন। আপনি উত্তরাধিকার সূত্রে সম্পত্তি পাবেন এবং ব্যাধিগ্রস্ত ব্যক্তির সম্পত্তির উত্তরাধিকারী হবেন।

এই শিশুটির জন্মের সময়ে মঙ্গল ছিল চতুর্থ ঘরে যা তার সুস্বাস্থ্যের আভাষ দেয়। কিন্তু মাঝে মধ্যে তারা অসুস্থ হয়ে পড়বে। তাদের কোনদিন বিত্ত ও বৈভবের অভাব হবে না। তারা সম্ভাব্য সকল উপায়ে তাকে সাহায্য ও সহযোগিতা করবে। সে তাদের ভালোবাসবে। তাদের মধ্যে বিবাদ হবার সম্ভাবনা খুবই কম এবং উদ্দিগ্নতা বেশীক্ষণ স্হায়ী হবে না। তারা তাদের হারজিৎ মিলেমিশে ভাগ করে নেবে।

## বুধ

বুধের দশমে মিথুনরাশির অবস্থান হেতু আপনার জীবন সুখময় হবে এবং সকল ক্ষেত্রে ভাগ্যবান হবেন। সুস্বাস্থ্য, সম্পদ এবং জীবিকায় উচ্চপদ লাভ করবেন। আপনি জীবিকা হিসাবে শিক্ষকতার পথ অবলম্বন করলে উজ্জ্বল প্রতিষ্ঠা পাবেন। আপনার পিতা আপনার উন্নতি লক্ষ্য করবেন এবং পিতার সাথে আপনার সুন্দর বোঝাপড়ার দরুন আপনার ঘরের পরিবেশ আনন্দময় হবে।

## বৃহস্পতি

বৃহস্পতির নবমস্থানে বৃহস্পতির অবস্থান হেতু আপনি ভাগ্যের দরুন উন্নতি করবেন। আপনি পারিবারিক রীতিনীতি এবং ধার্মিক অনুষ্ঠান পালন করবেন। আপনি ভগবানে বিশ্বাসী। আপনি ধার্মিকগ্রন্থ পড়বেন এবং ধ্যান, ব্রহ্মবিদ্যা ও আত্মবিজ্ঞানে উৎসাহী হবেন। আপনি মধ্যবয়সে নিজস্ব ক্ষমতায় উন্নতি করবেন এবং যে কোন ব্যক্তির সাধারণ চরিত্রায়ন করতে পারবেন। আর্থিক লাভের জন্য দুরত্রমন শূভ হবে। আপনি মহান এবং প্রতিষ্ঠিত ব্যক্তিদের সাথে বন্ধুত্ব স্হাপন করবেন। আপনি জীবনের পরবর্তী সময়ে ক্ষমতা সম্পন্ন ব্যক্তিদের সংস্পর্শে থাকার দরুন উন্নতি করবেন।

## শুক্র

মীনরাশির সপ্তমস্থানে শুক্রের অবস্থানের ফলে আপনার একটা সম্মানিত পরিবারে বিবাহের সম্ভাবনা দেখা যায়। তবে দাম্পত্যজীবনে আপনি শান্তি পাবেন কিনা তা সন্দেহজনক। আপনি নাচ এবং সংগীত পছন্দ করেন।

## শনি

বৃহস্পতির নবমস্থানে শনির অবস্থান হেতু আপনি জীবনে সফল হবেন এবং ভাগ্যের সহায়তায় প্রতিভাবান হবেন। জীবনের লক্ষ্য থেকে পিছিয়ে পড়ার লক্ষণ আছে। আপনি উচ্চশিক্ষিত এবং ভবিষ্যতের ব্যাপারে পরিকল্পনা করবেন। আপনি ব্রহ্মবিদ্যা ও জ্যোতিষশাস্ত্রে উৎসাহী এবং এর থেকে আপনি খ্যাতি ও অর্থলাভ করবেন। কিছু লোক আপনাকে সিদ্ধ বলে মনে করবে। শনির অবস্থান হেতু আপনি সমস্যার সম্মুখীন হবেন এবং সমস্যার সমাধান করার চেষ্টা করবেন।

## রাহু

মিথুনরাশির দশমস্থানে রাহুর অবস্থানের দরুন বিদেশ সম্বন্ধীয় ব্যাপার আপনার পক্ষে শুভ হবে। আপনি এইক্ষেত্রে উন্নতি করবেন এবং বিদেশে যাওয়ার ব্যবস্থা করবেন। এইক্ষেত্রে আপনি অবশ্যই **জন্মকাল জন্মস্থান** শুল্লিশকরবেন। আপনি সতর্ক থাকবেন যেহেতু মামলামোক -সম্বন্ধীয় ব্যাপারে জড়িয়ে পড়ার সম্ভাবনা থাকবে।

পিতার থেকে আপনি বিশাল সহযোগীতার আশা করবেন। কিন্তু আপনার প্রতি আপনার পিতার স্নেহপরায়নতা সম্বন্ধে আপনি ধারণা করতে পারবেন না। যেহেতু আপনার পিতা এই স্নেহপরায়নতা প্রকাশ করবেন না।

## কেতু

ধনুরাশির চতুর্থস্থানে কেতুর অবস্থানের ফলে আপনি মিশ্রফল লাভ করবেন। জীবনে সুখ ও শিহত হবার পূর্বে আপনার জীবনধারায় অনেক রদবদল ঘটবার ইংগিত আছে, তার আগে আপনাকে হয়তো কিছু বাধাবিঘ্নের সম্মুখীন হতে হবে, লোকের কাছে ভাল সাজতে আপনি আপনার মায়ের সঙ্গে সুসম্পর্ক বজায় রাখতে চান, আসলে কিন্তু আপনি তাকে আপনার বাড়ী থেকে দুরে রাখতে চাইবেন। গৃহেও আপনি একাধিপত্ত বিস্তার করতে চাইবেন। তবে বেশকিছু বছর ধরে কঠোর পরিশ্রম করার পর পৈতৃকসম্পত্তি লাভ করবেন এবং জীবনের বাকী সময়টা সহজ করে নিতে আপনি জীবনসাথী ও সন্তানদের সঙ্গে মধুর সম্পর্ক গড়ে তুলবেন।

# লাল কিতাব গ্রহ ফল

## রবি

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে সূর্য্য নবমস্থানে অবস্থান হেতু আপনি অত্যন্ত ভাগ্যবান হবেন। আপনি যানবাহনের সুখ পাবেন এবং বড় পরিবারের সঙ্গে যুক্ত থাকবেন। আপনি দীর্ঘায়ু ও পরোপকারী হবেন।

এবং পিতা মাতার আশীর্বাদে রাজদরবারে সম্মান পাবেন। শত্রুরা আপনার দ্বারা পরাজিত হবে। তীর্থযাত্রা আপনার পক্ষে অত্যন্ত লাভদায়ক। আপনার পিতামাতা সুখ শান্তিতে বিরাজ করবেন। স্বভাবে অত্যন্ত উগ্ৰ বা অত্যন্ত নম্র হলে আপনি সবকিছু হারাবেন। আপনি বাল্যকালে খুব বিলাসিতার মধ্যে জীবন কাটাবেন। আপনি পরোপকারী হবেন। আপনি আপনার নাতী নাতনীদেব সুখী করবেন। আপনি পরিবারের জন্য সবকিছু ত্যাগ করবেন। আপনি অন্যকে সুস্থ হয়ে উঠতে সহায়তা করবেন। আপনার পিতা সরকারের পক্ষে থেকে সম্মানিত হবে।

### উপায়বিধি :-

- তামার বাসনপত্র ব্যবহার করবেন।
- দুধ, চাল বা আটা ইত্যাদি দান সামগ্রী গ্রহণ করবেন না।
- অত্যন্ত রাগী বা অত্যন্ত সহনশীল হবেন।

## চন্দ্র

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে চন্দ্র দ্বাদশস্থানে অবস্থান হেতু আপনার মনের সব ইচ্ছা পূরণ নাও হতে পারে। মানসিক অশান্তির জন্য আপনার ভাল ঘুম হবে না। আপনি লেখা পড়ায় ভাল না হওয়া সত্ত্বেও অত্যন্ত দায়িত্বশীল হবেন। মাতার স্নেহ থেকে বঞ্চিত হতে পারেন।

আর্থিক স্থিতি সুদৃঢ় থাকবে না। আপনার বর্তমান সময় ভাল যাবে। জল থেকে সাবধান হবেন, এতে আপনার ভয়ের কারণ আছে। শ্বশুরবাড়ীর সম্পত্তি আপনার দুঃখের কারণ হবে। নারীর প্রতি আপনার দুর্বলতা থাকবে এবং নারী আপনার জীবনে দুঃখের কারণ হতে পারে। আপনি অলস, ধনহীন ও কমজোর হবেন। আপনার প্রত্যেক আনন্দের পর কিছু না কিছু দুঃখ ভোগ করতে হবে। আপনি স্বপ্নে ভবিষ্যতের কথা দেখতে পাবেন। লোকে আপনার উপর বিশ্বাস করে তাদের গোপন কথা আপনাকে প্রকাশ করবে এবং আপনি তাদের গোপনীয়তা বজায় রাখবেন। আপনার কথায় লোকেরা সন্তুষ্ট পাবে। আপনি পূর্বপুরুষদের কথা বাড়িয়ে বলবেন। আপনার সন্তান নিষ্কর্মা হতে পারে। আপনার পৈতৃক সম্পত্তি নষ্ট হয়ে যাবে। নিজের অর্জিত অর্থ আপনার জমা থাকবে। আপনার অনেক কষ্ট ভোগ আছে। বয়সের পর আপনার সুখ আসবে। আপনি এবং আপনার স্ত্রী চক্ষুরোগে ভুগতে পারেন।

### উপায়বিধি :-

- ঘরের ভিতরে জলের স্রোত রাখুন।
- ঘরে বৃষ্টির জল ধরে রাখবেন।
- ঘরের ছাদে জলের কল বসান।
- ১৬ লিটার বৃষ্টির জলের মধ্যে চারটে চৌকা রূপোর টুকরো ফেলে তা বাড়ীতে রাখবেন।



## মঙ্গল

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে মঙ্গল চতুর্থস্থানে অবস্থিত। আপনি মাস্টলিক, আপনার মনের ভেতর প্রতিহিংসার নিস্রুদ্রকেও জ্বালিয়ে দিতে পারেন। এমনিতে আপনি শান্ত স্বভাবের মানুষ। আপনি অন্যের অনিষ্টকারী। আপনি নিজেই বাবা মা, শ্বশুরী ও স্ত্রীর মৃত্যুর কারণ হবেন। সাধারনতঃ লোকেও আপনার সঙ্গে শত্রুতা করবেন। সন্তান প্রাপ্তিতে কিছু বাধার আশঙ্কা আছে। নিজের এবং শ্বশুরবাড়ীতে কিছু ক্ষয়ক্ষতির সম্ভাবনা আছে। অন্য কেউ আপনাকে অতিষ্ঠ করলে তার জবাব দিতে আপনি সাহসিকতা অবলম্বন করবেন। আপনি নিজের পরিবারের লোকেদের সাহায্য করবেন। কারো ক্ষতি করবেন না। দুর্ঘটনা থেকে সাবধানে থাকবেন। সুখ প্রাপ্ত করতেও আপনি উগ্ৰ মেজাজে চলবেন। সুখ প্রাপ্তিতে বাধার যোগ আছে।

সুখের উপকরণ থাকা সত্ত্বেও আপনি সুখী হবেন না। নিজস্ব বাড়ী ও গাড়ী হবে। মনের মধ্যে সদা উত্তেজনা থাকবে। মায়ের ভালবাসা পাবেন। মায়ের স্বাস্থ্য সাধারণ থাকবে। পারিবারিক গৃহ ছেড়ে বাইরে অন্য ঘরে থাকা লাভদায়ক হবে।

উপায় বিধি :-

- মা, বানর এবং সাধু সন্ন্যাসীর সেবা করুন।
- অঙ্গহীন ব্যক্তির কাছ থেকে দুরে থাকুন।
- চিনি, মিষ্টি বা মধুর কারবার করবেন না।
- রাবড়ী জলে ভাসিয়ে দিন।
- চন্দ্রের উপবাস করুন।
- হরিণের চামড়া ব্যবহার করুন।
- স্ত্রীমাতার আংটি ধারণ করুন।
- ৪০০ গ্রাম চাল, দুধ দিয়ে ধুয়ে কম করে ৭ মঙ্গলবার বহমান জলে ভাসান।

## বুধ

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে বুধ দশমস্থানে অবস্থিত। এর কারণে আপনি আপনার বিভাগীয় অধিকারীদের প্রিয় হবেন। আপনি সঠিকপথে জীবিকা নির্বাহ করবেন। আপনি সকলের সঙ্গে সু-ব্যবহার করবেন এবং নীতিশাস্ত্রে নিপুন হবেন। আপনি ঠিকাদারী কাজের দ্বারা ধন উপার্জন করবেন। আপনি মদ্যপান এবং আমিষ খাদ্য ব্যবহার থেকে দুরে থাকবেন। আপনি অন্যের খোশামোদ করতে কুশলতা প্রবন। আপনি নিজের সুস্বপ্ন, মোলায়েম কথা দিয়ে কাজ হাসিল করবেন। আপনি সামুদ্রিক যাত্রা এবং বিদেশ যাত্রা সফল হওয়ার কারণে পর্ষদে নিতানহীন হতে পারেন। আপনি মতলববাজ হবেন। অন্যের স্বপ্নে স্বপ্নের অভ্যাস থাকবে। কিন্তু অন্যের কথায় সায় দেওয়া বা খোশামুদি করায় আপনি কুশল। আপনি মিষ্টি মিষ্টি কথা বলে সবাইকে মোহিত করে রাখেন। ব্যবসাতে ঘরের লোকেরও শ্রীবৃদ্ধি হবে। অসুখের কারণে কুশল হওয়া নিতানহীন মদ্যপান আপনার জন্য ক্ষতিকারক। নিজের নিজের কাছে দোষী বলে মনে হতে পারে। আপনি অন্যের জন্য বুদ্ধিহীন সাথীর ন্যায়। বয়সের পর থেকে আপনার জীবন ভাল কাটবে এবং আর্থিক শ্রীবৃদ্ধি হবে।

উপায় বিধি :-

- চওড়া পাতাওয়ালা গাছ লাগাবেন না।
- ঘরে মানীপ্লান্ট এবং তুলসী গাছ লাগাবেন না।
- মাছ, মাংস এবং মদ্যপান বর্জন করুন।
- ৪৮ বছর বয়সের পর বাড়ী বানান।
- ক্ষেত্রের ইউটেলেক্সট্রীচো র
- শনি দেবতার উপবাস করুন।

## বৃহস্পতি

আপনার জন্মকুন্ডলীতে বৃহস্পতি নবমমস্থানে অবস্থিত। এর কারণে আপনি নয়া নিধী এবং বার সিদ্ধি জ্ঞানী অর্থাৎ খুব ভাগ্যশালী হবেন। আপনি নিজ ধর্মে অটল এবং কথায় খাঁটি থাকবেন। কিন্তু আলস্যের কারণে আপনার মহত্বপূর্ণ কাজ অসম্পূর্ণ থেকে যাবে। আপনার জীবনে কখনও অর্থের অভাব বোধ হবে না। আপনার জীবনে যতই দুঃসময় আসুক না কেন আপনি সমাজের জন্য কিছু করে যাবেন। আপনি কাজ করলে অনেক লাভ হবে। আপনার ঘরের প্রতিষ্ঠা ঠিকমত থাকবে। তীর্থস্থান ভ্রমণ আপনার শখ হবে। আপনি ধর্মাত্মা, জ্যোতিষী, বৈদ্য, সিদ্ধপুরুষ হবেন। আপনি আপনার পূর্বজনদের মাধ্যমে প্রগতির পথে এগিয়ে যাবেন। আপনার উপর ভাগ্যের শ্রেষ্ঠ প্রভাব পড়বে অর্থাৎ আপনার ৩৬ বছর বয়সেই ধন প্রাপ্তি হবে। আপনি সম্মানিত এবং ধনী পরিবারে জন্মাবেন। আপনি নিজ পরিশ্রমের দ্বারাও অর্থ উপার্জন করবেন। আপনার অভ্যাস রাজাদের মতন হবে। আপনি আধ্যাত্মিক দিক থেকে যোগী স্বভাবের হবেন। আপনার সৃষ্টিশীলতা উৎসাহিত করবেন। আপনার জীবনে বয়সে বিশেষ ধন প্রাপ্তি যোগ আছে। আপনি সন্তানদের কাছ থেকে অনেকবার দুঃখ পাবেন। আপনার হার্টের অসুখ হবার সম্ভাবনা আছে। সারা দুনিয়ার সঙ্গে লড়াই করে আপনি নিজের ভাগ্য তৈরী করবেন।

আপনি ভাগ্যবাদী, ভাগ্য নির্মাণকর্তা হবেন। আপনার গৃহস্থ সুখ বাড়বে। এর শুভ প্রভাব পুরো পরিবারের উপর ভাল ফল দেবে। আপনার আর্থিক স্থিতি শুভ করার জন্য ভাগ্য পুরো সহায় হবে।

উপায় বিধি :-

- প্রতিদিন মন্দিরে গিয়ে ভগবান দর্শন করুন।
- গঙ্গাস্নান এবং গঙ্গাজল পান করুন।
- তীর্থযাত্রা করুন।
- অন্যের সহযোগীতা করুন।
- সাধু সন্তকে দান করুন।
- ধার্মিক হোন, সত্য বলুন।

## শুক্র

আপনার জন্মকুন্ডলীতে শুক্র সপ্তমস্থানে অবস্থিত। এর প্রভাবে এটা পরিষ্কার যে আপনার ঘরে শ্বশুরী ও বধুর মধ্যে এবং মা ও মেয়ের মধ্যে ভালবাসা থাকবে। বৈবাহিক সম্পর্ক ও সন্তান উৎপত্তিতে অসুবিধা হতে পারে। আপনার ঘরে লক্ষ্মীর ভাল প্রভাব থাকবে। আপনার সাদা গাভী পোষা উচিত হবে না, এটা অশুভ। লক্ষ্মী-শ্রীকৃষ্ণের মত মিলিত করলে আপনার কষ্ট থাকবে। এরপর থেকে জীবনভর সময় সুখময় থাকবে। আপনি দীর্ঘায়ু হবেন। চামড়ার মানিব্যাগে টাকা রাখবেন না। আপনার

উপার্জিত্রবসুখেপ্রবৃত্তিক্রিয়াশালিত্র হবে। বিয়েতে ব্যবহার্য এবং উপযোগী ব  
 চালালেও ভাল লাভ হবে। আপনি কৃষিযোগ্য জমি পাবেন। আপনার ভাল বাড়ী এবং গাড়ীর সুখভোগ হবে।  
 পরস্পরীর সঙ্গে প্রেম কু-প্রভাব বয়ে আনবে। কানা বা কালো নারীর সঙ্গে সম্পর্কে ভাল ফল হবে। আপনার  
 কাজ কারবারে ভাই, বন্ধু-স্বাম্যবহুপনার সম্পত্তি ওড়াবে। এরাই আপনার কারবারে বাধা দেবে।  
 বয়স পর্যন্ত খুব স্ত্রীসুখ পাবেন। ঘরের থেকে দূরে সমুদ্র যাত্রা দ্বারা উপার্জন হবে। আপনার নিজ  
 জন্মস্থানে খুব ভাল হবে না। আপনার মৃত্যুর সময় কোন স্থান হতে খুব তাড়াতাড়ি ঘরে ফিরে আসবেন।  
 শ্বশুরবাড়ীর লোককে কারবারে সাথে রাখবেন না।

উপায় বিধি :-

- লাল গাড়ীর সেবা করুন, তাকে খাবার খাওয়ান।
- মা-বাবার থেকে সদা আশীর্বাদ নেন।
- নোংরা নালায় নীল ফুল ফেলবেন।
- যৌতুকে পিতলের বাসন নেন।
- শুক্রবার কাঁসার বাসন দান করুন।

### শনি

আপনার জন্মকুন্ডলীতে শনি নবমস্থানে অবস্থিত। যার প্রভাবে আপনি পরোপকারী হবেন  
 এবং এতে আপনার ভাল লাভও হবে। আপনি বড় পরিবারের সদস্য হবেন। আপনি ভাই ও বন্ধুর সহযোগ  
 পেয়ে ধনবান হবেন। আপনার জীবনে ঘর, বাড়ীর কোন অভাব হবে না। সন্তান পক্ষ ভাল থাকবে। আপনার  
 বাড়ী বানানোর কাজে বা চলা ফেরার কাজে লাভ হবে। আপনার অনেক পুত্র ও কন্যা হবে। কিন্তু সন্তান  
 প্রাপ্তিতে বিলম্ব হতে পারে। আপনার স্ত্রী ধনী পরিবারের হবে। আপনার কাছে প্রচুর পরিমাণে ধন  
 থাকবে। আপনি ধনের বিষয়ে বেহিসাবী থাকবেন। যদিও ধন-সম্পত্তি থাকবে তবুও আপনি দুঃখী থাকবেন।  
 আপনি উদার প্রকৃতির, জমিজমার মালিক, সদা সুখী এবং দীর্ঘায়ু হবেন। মা-বাবার উত্তম সুখ প্রাপ্তি হবে।  
 আপনি পরোপকারী এবং সেবাপরায়ন হবেন। বাড়ীর ছাদে দরজা, কাঠ রাখা ভাগ্যহীনতার পরিচয়। আপনি  
 বিদ্বান হবেন। আপনার উপর কোন ধারের বোঝা পড়বে না। আপনার ভাগ্য আপনার মা-বাবার ভাগ্যের  
 থেকে ভাল হবে। আপনার পত্নী ভাগ্যবতী এবং ধনী পরিবারের হবেন। পয়সার প্রতি খুব মোহ করবেন না।  
 আপনি সুদের কারবার করলে লোকসান হবে। আপনার মনে অন্যের প্রতি প্রতিশোধ নেবার স্পৃহা থাকবে।  
 অগ্নিকান্ডের আশঙ্কা আছে। আপনার শ্বাসকণ্ঠের রোগ হতে পারে। আপনি তীর্থযাত্রা করবেন। আপনি  
 ধর্মীয় মানসিকতার হবেন। আপনার ভাগ্যোন্নতি হবে। অধিক শুভফল প্রাপ্ত হবে।

উপায় বিধি :-

- ঘরের শেষ ভাগে অশ্বকার কুঠরী বানাবেন।
- ঘরের ছাদে ঘাস, কাঠ ইত্যাদি রাখবেন না।
- বৃহস্পতির দোষ কাটান।

### রাহু

আপনার জন্মকুন্ডলীতে রাহু দশমস্থানে অবস্থিত। এর প্রভাবে আপনি সুশীল, সু-স্বভাব,  
 সাহসী এবং প্রতাপশালী হবেন। আপনার প্রতিটি কাজ প্রশংসার যোগ্য হবে। আপনি উচ্চ চিন্তাধারার  
 মানুষ।

সকলের কাছেই আপনি যথোচিত সম্মান পাবেন। আপনি বড় কারখানার মালিক হয়ে বা উচ্চ পদে থেকে বিশাল সম্পত্তি অর্জন করবেন। আপনি বড় ব্যবসায়ী এবং নিশ্চিত ধনবান হবেন। আপনার জীবনে রাজযোগের কারণে সুখ প্রাপ্তির আশা আছে। অযথা ব্যয় থেকে সাবধান হন। মাথার চুল তাড়াতাড়ি সাদা হবে, কিন্তু আপনি ডাই করবেন না। আপনি উচ্চ চরিত্রের হবেন।

যদি আপনি মাথায় টুপি বা পাগড়ী না পরেন, উচ্চপদস্থদের আফিসরদের সাথে ঝগড়া-ঝাঁটি করেন অথবা অন্য কোনো কারণে রাহ দুর্বল হয়, তাহলে মা-বাবার কণ্ঠের আশঙ্কা আছে। অযথা ব্যয়ে সম্পুখিন হবেন। শরীরে কোন রোগ সৃষ্টি হতে পারে। ধন সম্পত্তির লোকসান হতে পারে। আপনার কোন না কোন ব্যয়সাপেক্ষ শখ বিদ্যমান থাকতে পারে, সাবধান হোন। আপনি নিজের হাতে সম্পত্তি বিক্রি করেও দিতে পারেন। আপনার মেজাজী মনোভাব অন্যের সঙ্গে শত্রুতার সৃষ্টি করতে পারে। মায়ের জন্য কণ্ঠের সময় আসতে পারে। আপনার কৃপণতা শত্রুতার কারন হতে পারে। চোখে খারাপ প্রভাব পড়তে পারে। মাথার যন্ত্রণায় আপনার কণ্ঠ বাড়তে পারে। কোন কালো ব্যক্তি আপনার ধন সম্পত্তি নাশ করতে পারে। সরকারী আফিসরদের সাথে ঝগড়া ঝাঁটিতে, উঁচু জায়গা থেকে পড়ে অথবা অসুস্থতার কারণে অর্থব্যয় হতে পারে।

উপায় বিধি :-

- মাথায় টুপি, পাগড়ী যেকোন কাপড় বাঁধুন।
- যব অংধকার স্থানে মাটিতে পুঁতে দিন।
- স্ত্রীকে ভোজন করান।

### কেতু

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে কেতু চতুর্থস্থানে অবস্থিত। এর প্রভাবে আপনি পুর্ণতর আশ্চিতক হবেন। সকল কাজ ধৈর্য সহকারে করবেন। সকলের সঙ্গে আপনার ব্যবহার সৌহার্দ্যপূর্ণ থাকবে। আপনি আশাবাদী, রু ও পিতৃসেবায় সংলগ্ন, চরিত্রবান এবং যা পাবেন তাতে খুশী থাকবেন। আপনার কন্যা ভাগ্যবতী হবে ও আপনার জন্য লক্ষ্মী স্বরূপা হবে।

কন্যা জন্মবার পর আপনার ঘর ধনধান্যে পূর্ণ হয়ে উঠবে। পিতা এবং গুরুভক্তি বাড়িয়ে দেবে। আপনার জমি-জায়গা সংক্রান্ত আইনি সমস্যার উদ্ভব হতে পারে। মায়ের কণ্ঠের আশঙ্কা আছে। দেরীতে সন্তান হওয়ায় সুখ কম হতে পারে। পুত্র সন্তানের চেয়ে কন্যা সন্তান অধিক হবে। আপনি নিজে এবং আপনার পুত্র দীর্ঘায়ু হবে। মধুমেহ রোগের আশঙ্কা আছে। কুলপুরোহিতকে হলুদ রঙের বস্ত্র দান করা উচিত। আপনার ভাল বাড়ী এবং গাড়ীর সুখ প্রাপ্ত হবে। আপনি অনেক দিন পর্যন্ত পিতৃসুখে সুখী হবেন।

উপায় বিধি :-

- গুহু, ছত্রাকান্ধালহলুদ রঙের কাপড়ে বেঁধে কুল পুরোহিতকে দান করে তাঁর আশীর্বাদ নিন।
- ছোলার ডাল স্নোতের জলে ভাসিয়ে দিন।
- স্নপো ধারণ ক রুন। বৃহস্পতির বন্দনা করুন।
- সূর্যের বস্ত্র কুলপুরোহিতকে দান করুন।

## লাল কিতাব অনুসার ঋণ ভার

জন্মকুন্ডলীতে অশুভ গৃহের প্রভাবে জাতক নানাভাবে ঋণী হয়ে পড়ে অর্থাৎ জাতকের উপর নানা ধরনের ঋণভার এসে পড়ে, যার ফলে জাতক জীবনে উন্নতির পথে বাধা প্রাপ্ত হয়। দোষ-যুক্ত গৃহের প্রভাবে শুভ গৃহও আশানুরূপ ফল দানে অক্ষম হয়ে পড়ে।

ঋণভার থেকে জাতকের মুক্ত হওয়া একান্ত জরুরী, তবেই জীবনের শেষপর্যায়ে গৃহের শুভ ফল লাভ করা সম্ভব হবে। নিম্নে বিভিন্ন প্রকার ঋণ কি কি পরিস্থিতিতে কিভাবে জাতকের উপর প্রভাব ফেলে তা বর্ণিত হলো।

### স্বঋণ

গৃহচলন :

যখন জন্মকুন্ডলীর পঞ্চম স্থানে পাপী গৃহ শূক্র, শনি ও রাহু অবস্থান করে তখন জাতকের উপর স্বঋণভার পড়ে।

লক্ষন :

ঋণীরা স্বপ্নেও জাতকের কাশ্মিনীমোক্ষাছে এবং এদের মধ্যে দিয়দাশ্মোধ্যকা সন্তেও দন্ডভোগ করার ভীতি থাকে। এই ধরনের জাতকেরা শারীরিক দুর্বলতা, হ ফুসফুসের অসুস্থতা, হাতে পায়ে ব্যথা, চোখের কণ্ট ইত্যাদি হতে পারে।

প্রভাব :

জাতক নাস্তিক হয় এবং ধর্মকে উপেক্ষা করে। পূর্বপুরুষের রীতি নীতি উপেক্ষা করে এবং তার স্বাস্থ্য প্রতিকূল থাকবে।

### নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুন্ডলী স্বস্থানমুক্ত।

### মাতৃঋণ

গৃহচলন :

যখন জন্মকুন্ডলীর চতুর্থ স্থানে কেতু অবস্থান করে তখন জাতক অবশ্যই মাতৃঋণের দ্বারা ঋণী হয়।

লক্ষন :

এই ধরনের জাতকেরা কারো সহযোগিতা পাবে না এবং তাদের সকল প্রকার প্রচেষ্টা নিষ্ফল হবে। সরকারী শাস্তি হবে অথবা জরিমানা ভোগ করতে হবে। জাতকের পারিবারিক জীবন অশান্তিময় হয়ে উঠবে। অপরের বদনাম করা, জুতা চুরি ও অশিক্ষিত হওয়ার ফলে জাতকের শান্তিভঙ্গের সম্ভাবনা থাকবে। আত্মীয় স্বজনের অসুস্থতায় জাতকের অর্থের অপব্যয় হবে।

প্রভাব :

মাতৃখন দ্বারা প্রভাবিত জাতক মায়ের প্রতি অত্যন্ত উদাসীন হবেন এবং মায়ের সুখ স্বাচ্ছন্দ্যের ব্যাপারে নজর দেবেন না। এই ধরনের জাতক মায়ের থেকে দূরে থাকবে অথবা মাকে গৃহহীন করে দেবেন।

যে সব জাতক মাতৃখন দ্বারা খনী তাদের গৃহের পাশে কুয়া, পুকুর, নদী অথবা নালা অবশ্যই থাকবে এবং এই ধরনের জলাশয়ে সাধারণতঃ লোক এবং জাতক নিজেও নোংরা ফেলে।

### নিষ্কর্ষ

ঋ

উপায় :

আপনার জন্মকুন্ডলী মাতৃখনযুক্ত, সুতরাং মাতৃখন মুক্ত হওয়ার জন্য পরিবারের, রক্তসম্পর্কীয় সদস্যদের (ঠাকুরদা-ঠাকুরমা, বাবা-মা, জ্যাঠা-কাকা, ভাই-বোন ইত্যাদি) প্রত্যেকের কাছ থেকে সম পরিমাণ রূপা সংগ্রহ করে ওই দিনেই বহমান জলে প্রবাহ করে দিন।

### পারিবারিক ঋণ

কারণ :

জাতকের জন্মকুন্ডলীর প্রথম অথবা অষ্টমস্থানে বুধ বা কেতু অথবা উভয়েই অবস্থান করলে জাতকের পারিবারিক ঋণ হয়।

লক্ষণ :

কারো গর্ভবতী মহিষের বাচ্চা দেওয়ার সময় মেরে ফেলা অথবা মারিয়ে দেওয়া, কারো বাড়ী তৈরী অথবা ভিত-খননের সময় জাদু-টোটকা করা, আত্মীয় পরিজনের সাথে মেলামেশা করা লোকেদের প্রতি ঘৃণা বা হিংসা, জন্মদিন বা পারিবারিক উৎসব ও খুশীর সময় অনুপস্থিত থাকা ইত্যাদি।

প্রভাব :

জাতক বন্ধুর সাথে বিশ্বাসঘাতকতা করে। অন্যের তৈরী কাজ খারাপ করে দেয়, পাকা ফসলের ক্ষয়ক্ষতিয়ে দেয়।

### নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুন্ডলী পারিবারিকঋণ মুক্ত হবে।

### কন্যা/বোন এর ঋণ

গৃহচলন :

জাতকের জন্মকুন্ডলীর তৃতীয় অথবা ষষ্ঠ স্থানে চন্দ্র অবস্থান করলে জাতকের উপর কন্যা বা ভগ্নি ঋণ হয়।

লক্ষণ/কারণ :

যৌবনে কাউকে ঠকানো, কোন মেয়ে বা বোনের প্রতি অত্যাচার, হত্যা অথবা নাবালিক কোন

শিশুকে লোভ দেখিয়ে অন্যায় কাজ করানো, বিক্রী বা অদল-বদল করা ইত্যাদি, কন্যা/ভগ্নী ঋণের সুচক হিসাবে পরিচিত।

জাতক কাউকে অপশব্দ বললে তা তলওয়ারের থেকেও বেশী ক্ষত সৃষ্টি করে। জাতকের শ্বশুরবাড়ী বা মামারবাড়ীর জন্য অশুভ। পুত্র জন্মের পরে পিতার ধন-দৌলত ও আয়ুর নাশ করে এবং মাতার মনে সন্তান মৃত্যুর ভয় থাকে। সম্বৎসরের আয় বর্ষায় শেষ হয়ে যায়। শুভ কার্যের সাথে সাথে অশুভ ফলও প্রাপ্ত হয়।

### নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুন্ডলী কন্যা/ভগ্নী ঋন মুক্ত।

### পিতৃ ঋণ

গৃহচলন :

জাতকের জন্মকুন্ডলীর ২/৫/৯ অথবা ১২ স্থানে শুক্ৰ, বুধ অথবা রাহ যেকোনো দুটি গৃহ অথবা তিনটি গৃহই অবস্থান করলে জাতকের উপর পিতৃঋণের ভার পড়ে।

লক্ষন/কারণ :

শুল্ক ঋণ বা পুরোহিত বদলানো অথবা কুল ঋণ বা পুরোহিতের সঙ্গে সম্বন্ধবিচ্ছেদ করা, ঋণগ্রহণের দায়িত্ব গ্রহণ করা ইত্যাদি কারণে পিতৃঋণে ঋণী হয়।

প্রভাব :

যতদিন না জাতকের বয়স্ক সদস্যের চুল পাকা, চুলের রঙ্গ হালুদ হয়ে যাওয়া। ক্ষয় কাসির কষ্ট শুরু হয়। নিজের মাথায় সারা দুনিয়ার নোংরা কাজের কলঙ্ক লাগে। জাতকের আর্থিক অবস্থার অবনতি ঘটবে অর্থাৎ আর্থিক ক্ষতি, দৈহিক ক্ষতি এবং আধ্যাত্মিক ক্ষতি হবে।

### নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুন্ডলী পিতৃঋণ মুক্ত হবে।

### স্ত্রী ঋণ

গৃহচলন :

জাতকের জন্মকুন্ডলীর সপ্তম স্থানে সূর্য, রাহ বা চন্দ্র দুই বা তিনটি গৃহ একত্রে অবস্থান করলে জাতকের উপর স্ত্রীঋণের ভার পড়ে।

লক্ষন/কারণ :

পত্নীকে অভুক্ত রাখা, লোভবশতঃ কোন গর্ভবতী নারীর হত্যা অথবা তাকে নির্যাতন করা। জীব হত্যা করা, কোনো দাঁত যুক্ত জন্তু পালন করা। কারো জমি বা বাড়ী ঠকিয়ে নিয়ে তাকে দরিদ্র করা, বাড়ীর

দরজা দক্ষিণ দিকে থাকলে স্ত্রী ঋণ হয়।

প্রভাব :

কুষ্ঠ রোগ, চর্ম রোগ, যৌন রোগ ইত্যাদি হয়। স্ত্রী থাকাকালীন অন্য স্ত্রীর সাথে সম্বন্ধ করলে সারা জীবন অশেষ দুঃখ ভোগ করতে হয়।

### নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুন্ডলী স্ত্রীঋণ মুক্ত হবে।

### নির্দয়ী ঋণ

গৃহচলন :

জাতকের জন্মকুন্ডলীর ১০ অথবা ১১ স্থানে সূর্য, চন্দ্র অথবা মঙ্গল এই দুটি বা তিনটি গৃহ অবস্থান করলে জাতকের উপর নির্দয়ী ঋণ হয়।

লক্ষণ/কারণ :

মেশীনারী বা বাড়ী কেনার অগ্রিম দেওয়ার পরে না কেনা, পরীক্ষা হল থেকে বিনা দোষে দক্ষিণাভাব ইত্যাদি ঘটনাদেয়ীদের সাথে অকারণ বাগড়া ব মোক

প্রভাব :

সন্তান, শ্বশুরবাড়ীর অসময় মৃত্যু। গৃহ-ক্রয়ের পরেও বসবাস করা অসম্ভব হয়। বাড়ী কেনার পরে সীড়ির মেরামত বা নতুন সীড়ি তৈরী করতে হয়। বিষপান অথবা বিষধর সাপের কামড়ে অথবা আগ্নেয়াস্ত্রে মৃত্যু হয়।

### নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুন্ডলী নির্দয়ী ঋণ মুক্ত।

### আজন্মকৃত ঋণ

গৃহচলন :

জন্মকুন্ডলীর দ্বাদশস্থানে সূর্য বা শূক্র অথবা উভয়ে একত্রে অবস্থান করলে জাতক আজন্মকৃত ঋণের বশবর্তী হয়।

লক্ষণ/কারণ :

বৈদ্যুতিক তার লিক হওয়া, তীব্র জলপ্রবাহে, লক্ষ্ম-কোটপতি নিমেষে দারিদ্র্য কবলিত হয়ে বিনষ্ট হয়। সোনা হারানো, চুরি যাওয়া, মস্তকে আঘাত প্রাপ্তি, সারাজীবন অসাফল্যের সম্মুখীন হওয়া ইত্যাদি। হাঁপানি, শ্বাসকণ্ট, যক্ষ্মা, মৃগী রোগে অকালমৃত্যু যোগ। বুঝেবুঝে কাজ করার পরেও অসহায়তা ও দারিদ্র্যভোগ করা। বসতবাড়ির নীচ দিয়ে নোংরা জলপ্রবাহ বা বাড়ীর আগেপিছে নোংরা জমা হলে এই



আজন্মকৃত ঋণভার পড়ে।

প্রভাব :

দ্বারার ঋণাঙ্কলায় অহেতুক জরিমানা, শাস্তি বা জেল হবার সম্ভাবনা।  
আত্মীয়স্বজনদের অশান্তির মধ্যে ফেলবেন। মামলা সংক্রান্ত ব্যাপারে পরাজয় হবে। নির্দোষ হওয়া সত্ত্বেও  
দশভোগ করবেন। সন্তান সুন্দর কিন্তু রোগগ্ৰস্ত হবে।

### নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুন্ডলী আজন্মকৃত ঋণমুক্ত।

### ঈশ্বরীয় ঋণ

গ্রহচলন :

জাতকের জন্মকুন্ডলীতে ষষ্ঠ স্থানে চন্দ্র অবস্থান করায় ঈশ্বরীয় ঋণ হয়েছে।

লক্ষণ/কারণ :

কুকুরে কামড়ানো, ছাদ থেকে শিশুর পড়ে যাওয়া বা গাড়ী চাপা পড়া, পরিবারে কোন পুত্র  
সন্তান জন্মায় না বা জন্মাবার পরে মৃত্যু হয়ে যায়। ডায়াবেটিস রোগগ্ৰস্ত, শিরদাঁড়ায় কণ্ট, মামারবাড়ীর  
সুখশান্তি বিন  
ষ্ট হওয়া, যাত্রায় বাধা, ক্ষতি বা দুর্ঘটনার সম্মুখীন হতে হয়।

প্রভাব :

যার উপর বিশ্বাস করবেন সেই বিশ্বাসঘাতকতা করবে। কুকুর মারা বা মারিয়ে দেওয়া, গরীব  
বা ফকিরের অভিশাপ পাওয়া, নোংরা চিন্তা বা লোভের বশবর্তী হয়ে কারোর ক্ষতি করা, অন্যের সন্তানকে  
অসৎপথে চালানো, নিজেও চরিত্রহীন হয়ে যাওয়া ইত্যাদি ঘটনা ঘটিত হয়।

### নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুন্ডলী ঈশ্বরীয় ঋণমুক্ত।

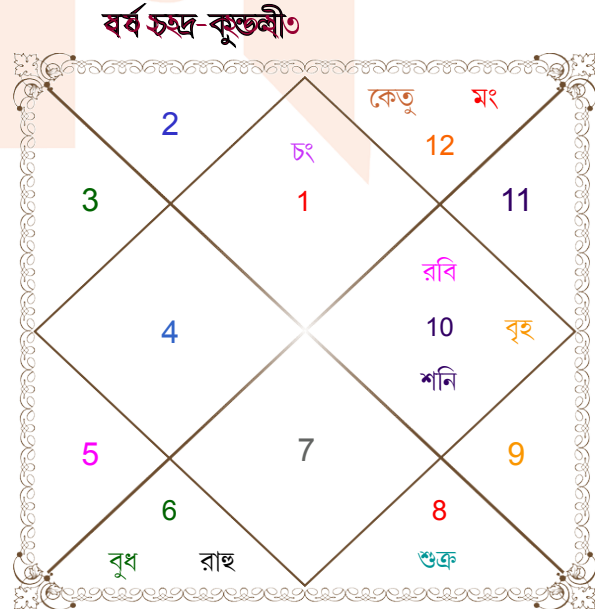
# লাল কিতাব বর্ষফল 2022-2023

বর্তমান বয়স - 22  
বর্তমান দশা - রবি

গ্রহ	অক্ষ	শোয়া	ধর্মী	নেক/মন্দা
রবি	--	হাঁ	--	নেক
চং	--	হাঁ	--	মন্দা
মং	--	--	--	মন্দা
বুধ	--	--	--	নেক
বৃহ	--	হাঁ	--	নেক
শুক্র	--	হাঁ	--	মন্দা
শনি	--	হাঁ	হাঁ	মন্দা
রাহু	--	--	--	নেক
কেতু	--	--	--	মন্দা

## ভাব অবস্থান

খানা	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
শোয়া	--	--	--	হাঁ	--	হাঁ	--	--	--	হাঁ	--	--



# লাল কিতাব বর্ষফল 2022-2023

## রবি

আপনার বর্ষফল কুণ্ডলীতে এই কারণে বর্তমান বছরে আপনার পরিবারের ভাগ্যোন্নতি হবে, যদি রাজা আপনার ভালো না করে, তাহলে ফকীর আপনার ভালো করবে, সরকারী অধিকারীদের সঙ্গে মধুর সম্বন্ধ তৈরী হবে, পরিবারের উন্নতি হবে। গুপ্তবিদ্যা বা জ্যোতিষচর্চায় রিচি থাকবে, হঠাৎ ধনপ্রাপ্তি যোগ আছে বা সরকারী বিভাগ থেকে লাভ পাবেন।

সূর্যের শুভত্ব বৃদ্ধি হেতু নিম্নলিখিত কর্ম পরিত্যাগ করুন।

বর্জিত কার্য :

১. ঈর্ষার মনোবৃত্তি রাখবেন না।
২. মিথ্যা বলবেন না, ঠাট্টা খাবেন না/খাওয়াবেন না।

## চন্দ্র

আপনার বর্ষ কুণ্ডলীতে চন্দ্র ৮মে অবস্থিত, এই কারণে এই বছর আপনি মাতা-পিতার সুখ কম পাবেন। জ্বরী-জুয়ার ব্যাপারে ক্ষতি হবে। মামারবাড়ীর থেকে কষ্ট বা তাদের সাথে ঝগড়া হবে। মনের শান্তি হওয়া, বিদ্যায় বাধা বা মাতার সুখ হানি যোগ, আপনাকে ঘর থেকে দূরে থাকতে হতে পারে। সর্দি-কাশিরোগের ঝুঁকি রয়েছে। জন্মশারীরিক কষ্টের হাঁপানি ও ফুসফুসের রোগের আশঙ্কা আছে।

চন্দ্রের অশুভ ফল কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. মিষ্টিভোজ্য ভোজন বা কেসর-আজা, ছোলা বা -গম ধর্ম স্থানে দিন।
২. অমাবস্যার দিন দুধ-চাল ধর্মস্থানে দান করুন।
৩. স্বর্গবাসী পিতৃপুরুষদের নামে শ্রাদ্ধ করুন।

## মঙ্গল

আপনার বর্ষফল কুণ্ডলীতে মঙ্গল ৮মে অবস্থিত, এই কারণে এই বছর আপনার খারাপ চাল-চলন ও সম্বন্ধ আপনার জীবনকে নষ্ট করে দিতে পারে। বোন-মেয়ে, পিসি, শালী সম্পর্কিত মহিলাদের আপনার পরিবারে যাতায়াত, আপনার ও তাদের পরিবারের জন্য অশুভ, যা তাদের ও আপনার, গৃহস্থ সুখের হানি করবে। ঝগড়া/অশান্তি থেকে দূরে থাকুন, নতুবা আপনার সমস্যা বাড়তে পারে।

মঙ্গলের অশুভফল কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. বোন/মেয়ে/পিসি/শালী ঘরে থাকলে বা বিবাহের পরে ঘরে এলে, তাদের প্রতিদিন সকালে চিনি বা মিসরি খাওয়ান। যখন বিবাহিতা আত্মীয়ারা আপনার বাড়ী থেকে স্বশুরবাড়ী ফেরৎ যায় তখন অবশ্যই তাদের সাথে মিষ্টি পাঠান।

২. ভাইপো-ভাইবির সেবা করুন।

## বুধ

আগ্নেয়শুভমর্ষএকুডকীরজে বুধই বছর আপনার বিদেশ যাত্রায় বা বিদেশ-সম্বন্ধিত কাজে লাভ হবে। আপনার বলা কথায় জোর থাকবে। আপনি অন্যের পরোয়া করবেন না। মধুর ভাষা ব্যবহার করুন, কল্পনাশীল বিচার রাখুন। আপনার উপর অন্য লোকের প্রভাব থাকবে। আপনি পারিবারিক ঝগড়ায় মধ্যস্থতা করবেন।

বুধের শুভত্ব বৃদ্ধি হেতু নিম্নলিখিত কর্ম পরিত্যাগ করুন।

বর্জিত কার্য :

১. ডিম-প্যাস্ট্রী ইত্যাদি ডিমের তৈরী খাবার খাবেন না।
২. মদ্যপান এবং আমিষ ভোজন বর্জন করুন।

## বৃহস্পতি

অগ্নিগ্নয় কর্ষাকুডকীরজে শুভ, অতএব এ বছর আপনার উন্নতি ও মান - সম্মান বৃদ্ধি পাবে। এ বছর যদি আপনাদের পরিবারে পুত্র সন্তান জন্ম নেয়, তাহলে পরিবারের অগাধ উন্নতি শুরু হয়ে যাবে। পিতা-মাতার মৃত্যু হলে আত্মীয়স্বজনদের সাহায্য গ্রহণ করুন। বর্ষ শুরু হয়ে যাবে। বংশ বৃদ্ধি/সন্তান সুখ প্রাপ্তি সুনিশ্চিত হবে। লেখনীর দ্বারা আপনি লাভ পাবেন।

গুরুগৃহের শুভত্ব বাড়াতে নিম্নলিখিত কার্য ত্যাগ করুন।

পরহেজ :

১. নাবিকের কাজের সঙ্গে সম্বন্ধ রাখবেন না।
২. নাস্তিকতা ত্যাগ করুন।

## শুক্র

অগ্নিগ্নয়বর্ষএকুডকীরজে শুক্রই বছর রঙ্গ -রসিকতায় রুচি রাখা আপনার জন্য ক্ষতিকারক হবে। আপনার পত্নীর ক্রোধ বৃদ্ধি হতে পারে। খারাপ চাল-চলনে অর্থ-হানি ও মান-সম্মান নষ্ট হওয়ার সম্ভাবনা আছে। সন্তানের চিন্তা বা সন্তানের শারীরিক কষ্ট ভোগ হতে পারে। আপনাকে অন্যের ঘরে বসবাস করতে হতে পারে।

শুক্রের অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. পত্নী বা মহিলাদের সেবা করুন।
২. মঙ্গলকারী বস্তুর উপযোগ করুন।

## শনি

অগ্নিগ্নয়বর্ষএকুডকীরজে শনিগণে আপনি আপনার আত্মীয়

-বন্ধুদের

সাথে লড়াই-বগড়া বা ধোকা করতে পারেন। মদ্যপান করা বা আমিষ ভোজন করা আপনার পরাজয় ও ক্ষতির কারন হবে। পরিবারে সমস্যা বৃদ্ধি হতে পারে। নিজের স্বাস্থ্য সম্বন্ধে সচেতন থাকুন বিশেষ করে পেট/গলস্টোন ইত্যাদি। নিজের নামে বাড়ী তৈরি করলে পুত্র সুখে বাধা আসতে পারে।

শনির অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. বিশুদ্ধ সোনা বা কেসর নিজের কাছে রাখুন।
২. সাপের সম্বন্ধে সাবধান থাকুন।

### রাহু

আমেরিকা-বিশ্বকুমার রাহুগণে এই বছর আপনার সরকার বা সরকারী বিভাগ থেকে লাভ হবে, মামারবাড়ীর লোকদের সময় অত্যন্ত শুভ, আপনি কোনো নতুন ব্যবসায় শুরু করতে পারেন। এ বছর ঘুষ নেওয়ার ইচ্ছা বা বেইমানির ভাবনা আপনার মাথায় আসতে পারে। আপনার সব সময়ে কথা বলে যাওয়ার অভ্যাস বা রোগ হতে পারে, এই ব্যাপারে সাবধান থাকুন।

রাহুর শূভফল বাড়াতে নিম্নলিখিত কার্য বর্জন করুন।

বর্জিত কার্য :

১. ঘরের উঠানে ধোঁয়া করবেন না।
২. ভুঁড়ি না বাড়ে তার বিশেষ খেয়াল রাখুন।

### কেতু

আমেরিকা-বিশ্বকুমার কেতুগণে বলা বা অনৈতিক সম্বন্ধ আপনার রোগ ও ক্ষতির কারণ হবে। আপনার সন্তান আপনাকে সমাজে অপমানিত করতে পারে। মিথ্যা প্রবোধ আপনার অবনতির কারণ হবে। আপনার মিথ্যাভিমান না করা উচিত। মিথ্যা আশ্বাসন ও মিথ্যা বলা আপনার উন্নতিতে বাধা হবে।

কেতুর অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. ৪টি কলা ৪ দিন জলে প্রবাহিত করুন।
২. ৪টি লেবু (হলুদ) ৪ দিন জল প্রবাহ করুন।

বর্ষ কো শূভ বনানে হেতু বর্ষারম্ভ মেং উপায়বিধি

\* বিশুদ্ধ সোনা পরুন বা কেসরের তিলক করুন।

(উপরোক্ত উপায় জন্মদিনে অথবা জন্মদিন থেকে ৪০ দিনের ভিতর করুন/শুরু করুন।)

# লাল কিতাব বর্ষফল 2023-2024

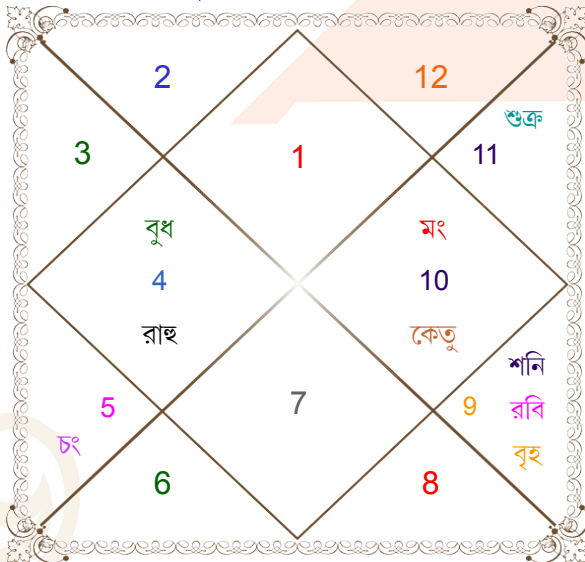
বর্তমান বয়স - 23  
বর্তমান দশা - রবি

গ্রহ	অক্ষ	শোয়া	ধর্মী	নেক/মন্দা
রবি	--	--	--	নেক
চং	--	--	--	নেক
মং	হাঁ	--	--	মন্দা
বুধ	--	--	--	নেক
বৃহ	--	--	--	নেক
শুক্ৰ	--	--	--	মন্দা
শনি	--	--	হাঁ	মন্দা
রাহু	--	--	হাঁ	নেক
কেতু	হাঁ	--	--	মন্দা

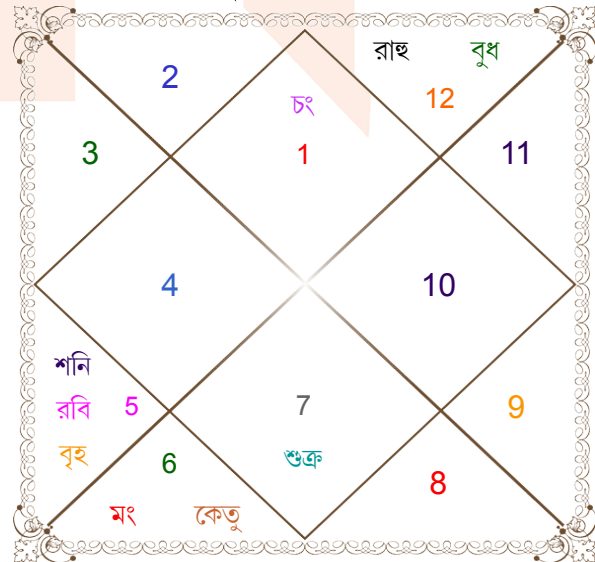
## ভাব অবস্থান

খানা	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
শোয়া	হাঁ	হাঁ	হাঁ	--	--	হাঁ	হাঁ	হাঁ	--	--	--	হাঁ

## বর্ষ কুন্ডলী ২০২৪



## বর্ষ চন্দ্র-কুন্ডলী



# লাল কিতাব বর্ষফল 2023-2024

## রবি

আপনার বর্ষ কুন্ডলীতে সূর্য ৯ম স্থানে শুভ, এই বছর আপনার উত্তম বাহন সুখ প্রাপ্ত হবে, তীর্থযাত্রার লাভ ও শুভ ফল পাবেন। সমাজ ও পরিবারের জন্য আপনার মনে ত্যাগ ও পরোপকারের ভাবনা থাকবে। পরিবারের পালন পোষণের অতিরিক্ত ভার আপনার উপর পড়বে। স্বপরাক্রম ও সৌভাগ্য বর্ধিত হবে।

সূর্যের শুভত্ব বৃদ্ধি হেতু নিম্নলিখিত অভ্যাস বর্জন করুন।

বর্জিত কার্য :

১. বিনা পরিশ্রমের বস্তু, দান/উপহার ইত্যাদি নেবেন না।
২. অধিক নম্র বা অধিক উগ্র স্বভাব রাখবেন না।

## চন্দ্র

আপনার বর্ষ কুন্ডলীতে চন্দ্র ৫ম স্থানে শুভ ভাবে স্থিত। এই কারণে এই বছর আপনার পরিবারের লোকেদের সোনা-স্বর্ণের লাভ হবে, বিদ্যা লাভও হবে, আপনি অন্যের কষ্ট নিজের উপর নেবেন, পরোপকার করবেন। লড়াই-ঝগড়ায় আপনি যার সাথ দেবেন সেই ব্যক্তির জিত হবে। আপনার প্রভূত প্রতিপত্তি হবে ও সমাজে আপনার মান-সম্মান বাড়বে।

চন্দ্রের শুভত্ব বৃদ্ধির জন্য নিম্নলিখিত কার্য পরিত্যাগ করুন।

বর্জিত কার্য :

১. সব কাজে কারো না কারো পরামর্শ অবশ্যই নেবেন।
২. পাপ কাজে কোনো হস্তক্ষেপ করবেন না।

## মঙ্গল

আপনার বর্ষ কুন্ডলীতে মঙ্গল ৬ম স্থানে শুভ ভাবে স্থিত। এই বছর আপনি অন্যায় কার্য করলে অথবা সরকারী বা সেনা বিভাগের বিরুদ্ধে কার্য করলে আপনার জীবন নষ্ট হতে পারে। সোনা বেচলে বা বন্ধক রাখলে স্ত্রী/সন্তানের চিন্তা, মান-সম্মানের হানি হবে। বেশী নুন খাওয়া বা নোনতা খাবারের প্রতি অধিক শখ থাকলে আপনার রক্তচাপ বৃদ্ধি বা উগ্র স্বভাব হবে।

মঙ্গলের অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. হরিণের সেবা বা পালন করুন।
২. কালা-কানা, নেড়া, ব্যক্তিদের সেবা করুন।

## বুধ

জ্যৈষ্ঠ মাসের শুভ শুক্রবারে আপনার ধন লাভ, পরিবারের সকলে সুখী থাকবে ও সুখ সামগ্ৰী পাবে। সবমিলিয়ে রাজযোগের সময় চলছে, বিদেশ যাত্রা বা বিদেশ থেকে লাভ প্রাপ্ত হবে। বোন-মেয়ে, পিসি-শালীদের থেকে লাভ হতে পারে। মায়ের ধন-সম্পদের থেকে লাভ হবে কিন্তু মাতৃ সুখের হানির আশংকা আছে।

বুধের শুভত্ব বৃদ্ধি হেতু নিম্নলিখিত অভ্যাস পরিত্যাগ করুন।

পরহেজ :

১. মেয়ে-বোন, পিসি-শালী দের সঙ্গে ঝগড়া করবেন না।
২. বিধবা স্ত্রীদের সঙ্গে সম্বন্ধ রাখবেন না।

## বৃহস্পতি

অশ্বিন মাসের শুভ শুক্রবারে এই বছর আপনি পূর্ব পুরুষের দ্বারা লাভ প্রাপ্ত করবেন, জ্যোতিষ ও গুপ্ত বিদ্যায় রুচি থাকবে। আপনার পরিবারের লোকের মান-সম্মান বাড়বে। আপনি দুনিয়ায় নিজের পরিবারের নাম উজ্জ্বল করবেন। জহরী/স্বর্ণকারের কাজে লাভ হতে পারে। জ্ঞানার্জনের অভ্যাস রাজকীয় হবে। নিজের প্রতিজ্ঞায় অটল থাকা আপনার ধর্ম স্বর

গুরুর শুভত্ব বৃদ্ধি হেতু নিম্নলিখিত কর্ম পরিহার করুন।

বর্জিত কার্য :

১. প্রতিজ্ঞা রক্ষা করুন।
২. সোনা বন্ধক রাখবেন না।

## শুক্র

আশ্বিন মাসের শুভ শুক্রবারে এই বছর আপনি অপ্রাকৃতিক যৌনসম্বন্ধের শিকার হতে পারেন। কামুক স্বভাবের সাথে সাথে পাপ কার্যেও জড়িত হতে পারেন। আপনার কাম শক্তি দুর্বল হয়ে যেতে পারে। কন্যা সন্তানের জন্য চিন্তা থাকবে। আপনি কোনো মুর্থতাপূর্ণ কাজ করতে পারেন এবং তার পরে অহেতুক হতাশাগ্রস্ত হবেন। কোনো মহিলার কারণে আপনার অর্থ, সময় ও ব্যবসায় নষ্ট হতে পারে।

শুক্রের অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. মাতা বা পত্নীর হাত দিয়ে সরসের তেল দান করান।
২. গোদান করুন।
৩. নপুংসকতা-বোধ প্রাকৃতিক চিকিৎসার দ্বারা নিরাময় হতে পারে।



## শনি

জন্মদিনের বর্ষক কুস্তিগীত্রে শনির যদি আপনি জুয়া -টা ইত্যাদি খেলেন তাহলে আপনার ক্ষতি হতে পারে। লোহা, মেশিনারীর কাজ ভালো করে ভেবে চিন্তা করে না করলে লাভ কম হবে। বড়লোকদের ধন লুট করে গরীবদের মধ্যে বিলি করার ভাবনা আপনার মাথায় আসতে পারে। নাস্তিকতা আপনার হার ও ক্ষতির কারন হতে পার। সবসময়ে ধার্মিক বিচার রাখুন।

শনির অশুভফল কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. কপালে কেসরের তিলক করুন।
২. বাড়ীর শেষ প্রান্তে একটি অক্ষকার ঘর তৈরি করান।

## রাহু

জন্মদিনের বর্ষক কুস্তিগীত্রে রাহুর যদি আপনি বয়স্ক ব্যক্তিদের থেকে প্রচুর লাভ পাবেন। বিগত সময়/বছর আপনার আর্থিক অনটন থাকলে এই বছর আপনার ধন লাভ হবে। মাতা/শ্বশুরীর থেকেও আপনি লাভ পাবেন। বাসস্থান, বাহন সুখ ছাড়াও অন্যান্য সমস্ত প্রকারের সুখ-সামগ্রী উপভোগ করবেন। সরকারী বিভাগে অথবা কোনো সংগঠনে আপনি উচ্চ পদ প্রাপ্ত করতে পারেন।

রাহুর শুভফল বৃদ্ধি হেতু নিম্নলিখিত কার্য বর্জন করুন।

বর্জিত কার্য :

১. নিজের বয়সের থেকে বড় কোনো মহিলার সঙ্গে কোনো প্রকারের অবৈধ সম্বন্ধ রাখবেন না।
২. গঙ্গা নদীতে স্নান করবেন না।

## কেতু

জন্মদিনের বর্ষক কুস্তিগীত্রে কেতুর যদি আপনি আপনার পরস্পত্রীর সঙ্গে সম্বন্ধ রাখা সন্তান কণ্টের বা সন্তান সম্বন্ধীয় দুশ্চিন্তার কারণ হবে। ভাইয়ের সাথে ঝগড়া/মতবিরোধ আপনার অবনতির কারণ হবে। ভাই কোনো ত্রুটি করলেও তাকে ক্ষমা করা আপনার জন্য লাভদায়ক হবে। আপনার প্রভূত উন্নতি হবে কিন্তু মাতা বা শ্বশুরী স্বাস্থ্য সম্বন্ধে দুশ্চিন্তা থাকবে।

কেতুর অশুভফল কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. বাড়ীর ভিতের নীচে রূপোর পাণ্ড্রে মধু ভরে রেখে দিন।
২. ঘরে রূপোর পাণ্ড্রে মধু ভরে রাখা শুভ ফলদায়ক।

বর্ষ কো শুভ বনানে হেতু বর্ষারম্ভ মেং উপায়বিধি

\* ৪৩ দিন হলুদ/কেসরের তিলক করুন।

(উপরোক্ত উপায় জন্মদিনে অথবা জন্মদিন থেকে ৪০ দিনের ভিতর করণ/শুরা করুন।)



# লাল কিতাব বর্ষফল 2024-2025

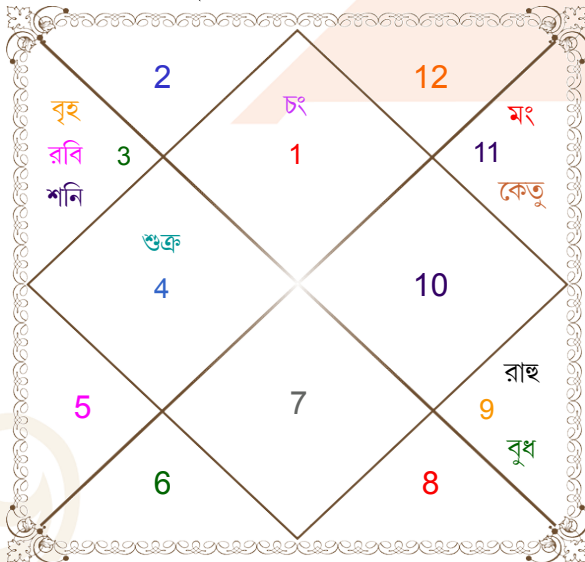
বর্তমান বয়স - 24  
বর্তমান দশা - রবি

গ্রহ	অক্ষ	শোয়া	ধর্মী	নেক/মন্দা
রবি	--	--	--	নেক
চং	--	হাঁ	--	নেক
মং	--	--	--	মন্দা
বুধ	--	--	--	মন্দা
বৃহ	--	--	--	নেক
শুক্র	--	হাঁ	--	মন্দা
শনি	--	--	হাঁ	মন্দা
রাহু	--	--	--	মন্দা
কেতু	--	--	--	মন্দা

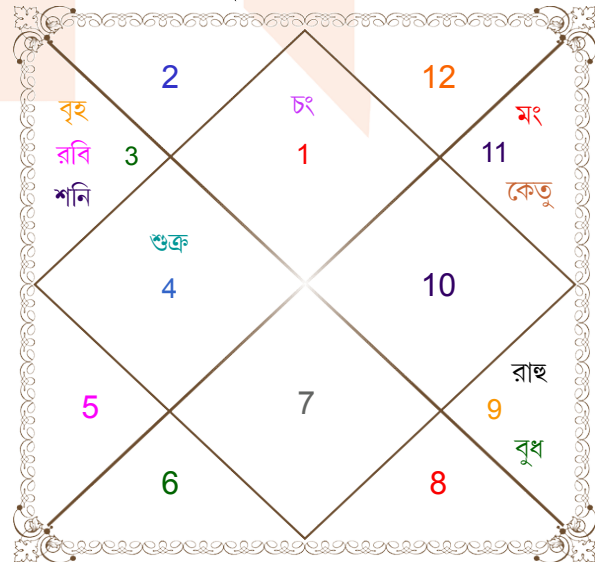
## ভাব অবস্থান

খানা	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
শোয়া	--	হাঁ	--	--	হাঁ	হাঁ	--	হাঁ	--	--	--	হাঁ

## বর্ষ কুন্ডলী ২০২৫



## বর্ষ চন্দ্র-কুন্ডলী



# লাল কিতাব বর্ষফল 2024-2025

## রবি

অপমানসহ নৈরখ্যাক্ষুণ্ণলীবর্তনসূর্য বর্ষে আপনি অপরের সহায়তা করবেন  
ঈশানাহস্তিকং কার্যক্রমবৈশিষ্ট্যস্বয়ং লড়াই -বাগড়া থেকে দূরে থাকা  
উচ্চশিক্ষাক্ষেত্রের জীবনযাত্রাবিভিন্ন পাবেন, মামলা মোকদমায় বিজয়ী  
হবেন, ভাই-বন্ধুদের সাথে প্রেম ভালবাসা বাড়বে। আপনি ভগ্নী-কন্যার দ্বারা লাভবান হতে পারেন।

সূর্যের শুভভাব বাড়ানোর জন্য নিম্নলিখিত অভ্যাস পরিত্যাগ করুন।

বর্জিত কর্ম :

১. অন্যায় কাজ থেকে দূরে থাকুন।
২. চুরি করবেন না, চুরি করা বস্তু থেকে নিজেকে দূরে রাখুন।

## চন্দ্র

আপনার বর্ষ কুণ্ডলীতে চন্দ্র ১ম স্থানে শুভভাবে আছে। এই কারণে এই বছর আপনার সুন্দর  
ও সাদা কাপড় পরার শখ থাকবে, বিদ্যায় লাভ, কারো গচ্ছিত ধন আপনার কাছে থাকতে পারে। মাতা-পিতার  
আর্থিক স্থিতি সুদৃঢ় হবে, কখনো কোথাও যাত্রা করলে, ফিরে এসে মাতার চরণ স্পর্শ করে আশীর্বাদ নিলে  
লাভ হবে। পরিবারে অনেক অপেক্ষার পরে পুত্র সন্তান হবে।

চন্দ্রের শুভত্ব বৃদ্ধির জন্য নিম্নলিখিত কার্য পরিত্যাগ করুন।

বর্জিত কার্য :

১. চাল-চলন ঠিক রাখুন ও অনৈতিক সম্বন্ধ রাখবেন না।
২. মাতা বা মাতৃসমা মহিলাদের সঙ্গে বাগড়া করবেন না।

## মঙ্গল

অপমানসহ নৈরখ্যাক্ষুণ্ণলীবর্তনসূর্য বর্ষে আপনি আপনার মাতা -পিতা বা ভাই-  
বন্ধুদের সঙ্গে অকারণ বাগড়া হতে পারে। জমি-জায়গার সুখ পাবার জন্য আপনাকে দৌড়-ঝাঁপ করতে হতে  
পারে। জমি-জায়গার ব্যাপারে বাগড়াও হতে পারে। যদি আপনি চাল-চলন খারাপ করেন তাহলে আমদানী  
হওয়া সত্ত্বেও আপনি দেনদার হতে পারেন।

মঙ্গলের অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. জামাই বাবু, শ্যালক ও দৌহিত্রের সেবা করুন।
২. মাটির বাসনে মধু বা সিঁদুর ভরে রাখুন।

## বুধ

জন্মশেষকক্ষের ক্ষুধাশ্রীত্রৈবুধের আপনার পিতার জন্য চিন্তা বা পিতার থেকে দূরত্ব বাড়বে, পিতার ধন নাশ হতে পারে। আপনার জিভ ব মুখের রোগ হতে পারে। গৃহস্থ ও সন্তানের সম্বন্ধেও কিছু খারাপ হওয়ার সম্ভাবনা আছে। সমস্ত কাজে প্রতি পদে-পদে বিচার করে আপনার কাজ করা উচিত। যাত্রায় ক্ষতির ভয় আছে, সতর্ক থাকুন।

বুধের অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. গরুকে খাওয়ান।
২. লোহার গুলিকে লাল রং করে নিজের কাছে রাখুন।

## বৃহস্পতি

অক্ষয়বর্ষের বৃহস্পতির কারণে এই বছর আপনি আপনার ভাই-বন্ধুদের সুখ প্রাপ্ত করবেন, আপনি যাদের প্রতি সহায়ক হবেন তারা অনেক লাভবান হবেন। বয়োবৃদ্ধদের সেবায় আপনি নিজের সর্বস্ব উজাড় করে দেবেন। আপনার ব্যবসায় উন্নতি হবে। আপনার বুদ্ধি দ্বারা অন্যের ভালো-মন্দ ব্যবহার আগেই জেনে যাবেন। আপনি ধার্মিক কাজে প্রধান ভূমিকা পালন করবেন।

গুরুর শুভত্ব বৃদ্ধি হেতু নিম্নলিখিত অভ্যাস বর্জন করুন।

পরহেজ :

১. শুকনো বা কাটা অসখ গাছ ঘরে রাখবেন না।
২. ঘরে মন্দির থাকলে সেখানে দুবেলা পূজা অর্চনা করুন।

## শুক্র

অক্ষয়বর্ষের শুক্রবারের পত্নী ছাড়াও অন্য কোনো মহিলার সঙ্গে সম্বন্ধ হতে পারে, যা আপনার জন্য ক্ষতিকারক হবে ও সন্তানের জন্যেও চিন্তাজনক হবে। আপনার জীবন ও সুনাম কালিমা-লিপ্ত হতে পারে, অতএব চাল-চলন ঠিক রাখুন। মাতা ও পত্নীর মধ্যে ঝগড়া হতে পারে।

শুক্রের অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. কেসর কুপের জলে ঢালুন।
২. চার আড়ফলের আঁটির মধ্যে সুরমা ভরে নির্জন স্থানে মাটির নীচে পুঁতে দিন।
৩. (পুত্রসুখ প্রাপ্তির জন্য) নিজের পত্নীর সঙ্গে দুবার বিবাহ (অনুষ্ঠান) সম্পন্ন করুন।

## শনি

অক্ষয়বর্ষের শনিবারে শনিবার দ্বারা লোকের ক্ষতি হতে পারে। ছোট ভাইয়ের সঙ্গে বিচ্ছেদ, বাড়ী তৈরীর ব্যাপারে বাধা-বিঘ্ন হতে পারে। চোখের নজর কমে যাওয়া বা

কুকুরে কামড়ানোর ভয় আছে, সতর্ক থাকুন। অন্যায়ভাবে বা চুরি ও ঠকবাজী করে অর্থ আয় করলে আপনার পরাজয় ও ক্ষতির কারণ হবে। চাকুরী-ব্যবসায়ের জন্য প্রচুর সংঘর্ষ করতে হবে। এই বছর অর্থ কষ্ট থাকতে পারে।

শনির অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. ৩টে কুকুরকে নিজের খাদ্যের ভাগ খাওয়ান বা জামাই/শ্যালক/দোহিত্রের সেবা করুন।
২. বাড়ীর শেষ অংশে ১টি অঙ্ককার ঘর রাখুন।

### রাহু

আপনার বর্ষ কুন্ডলীতে রাহু ৯মে থাকার কারণে এই বছর আপনার উপর পুলিশ/কোর্ট কেসের সন্ধ্যাক্ষিপ্তবচনকুকুরী স্বাব্যস্ত হবেন। পিতা ও শ্বশুরের কষ্ট বা তাঁদের দ্বারা আপনার ক্ষতি হওয়ার ভয় আছে। সাধু-ফকিরদের সংগ অপব্যয়ের কারণ হবে। তীর্থযাত্রায় বাধা আসতে পারে। ঐতিহাসিককামড়ানোর জন্য ঠিক নয়।

রাহুর অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. শরীরে বিশুদ্ধ সোনার অলঙ্কার ধারণ করুন।
২. ধর্মস্থানে/মন্দিরে রোজ মাথা ঠেকান।

### কেতু

আপনার বর্ষ কুন্ডলীতে কেতু ৯মে থাকার কারণে এই বছর আপনি কোনো শুভ কাজে যাওয়ার সময়ে যদি কেউ আপনাকে পিছন থেকে ডাক দেয়, তাহলে কিছু সময় অপেক্ষা করে তারপরে রওনা হন, তা না করলে আপনার কাজে অনর্থক বাধা হতে পারে। মাতা/শ্বশুড়ীর বিরোধিতা করা আপনার জন্য শুভ নয়। সন্তানের সঙ্গে ঝগড়া না করে তাকে সাহায্য করলে আপনার ভাগ্যোদয় হবে। অতীত সময়ের সুখ-দুঃখের গল্প লোকদের শুনিয়ে নিজের সময় নষ্ট করবেন না।

কেতুর অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. কালো কুকুর পালন বা কালো কুকুরের সেবা করুন।
২. কালো-সাদা পাথরের চাকীর উপরে রঙটি বেলুন।

বর্ষ কো শুভ বনানে হেতু বর্ষারম্ভ মেং উপায়বিধি

\* ৩টে কুকুরকে ভোজনের ভাগ দিন। ভাগনা/ভাইপো, জামাই ও শালাকে উপহার দিন।

(উপরোক্ত উপায় জন্মদিনে অথবা জন্মদিন থেকে ৪০ দিনের ভিতর করুন/শুরু করুন।)

# লাল কিতাব বর্ষফল 2025-2026

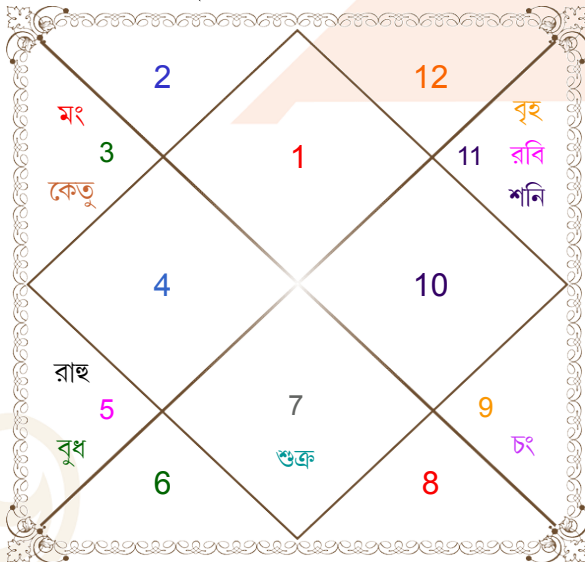
বর্তমান বয়স - 25  
বর্তমান দশা - রবি

গ্রহ	অক্ষ	শোয়া	ধর্মী	নেক/মন্দা
রবি	--	--	--	মন্দা
চং	--	--	--	মন্দা
মং	--	--	--	মন্দা
বুধ	--	--	--	নেক
বৃহ	--	--	--	মন্দা
শুক্ৰ	--	--	--	মন্দা
শনি	--	--	হাঁ	মন্দা
রাহু	--	--	--	মন্দা
কেতু	--	--	--	মন্দা

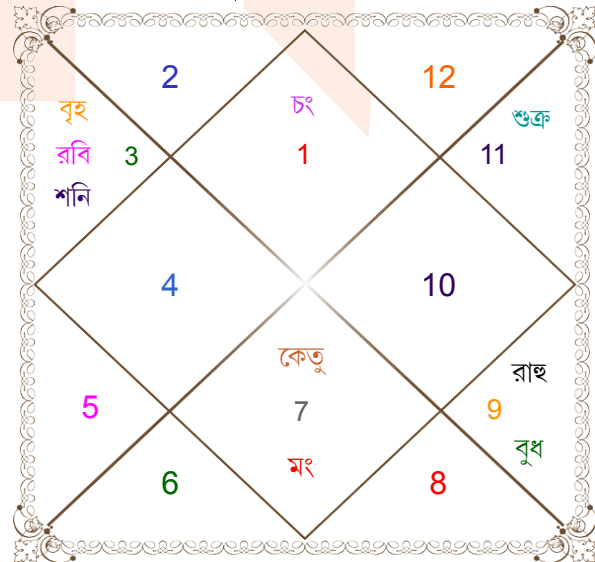
## ভাব অবস্থান

খানা	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
শোয়া	হাঁ	হাঁ	--	হাঁ	--	হাঁ	--	হাঁ	--	হাঁ	--	হাঁ

## বর্ষ কুন্ডলী ২০২৬



## বর্ষ চন্দ্র-কুন্ডলী ৬



# লাল কিতাব বর্ষফল 2025-2026

## রবি

আপশোকাবর্ষিকুন্ডলীয়াই সূর্যে এই বছর অলসতা ও অসাধনতার কারণে জীবনে উন্নতির অনেক সুযোগ হারাবেন। মদ্যপান ও আমিষ খাদ্য গ্রহণ করলে সন্তানের কষ্ট হবে বা সন্তান সুখের হানি হবে। কাউকে গালি দেওয়া, লড়াই বাগড়া করা, মিথ্যা সাক্ষী দেওয়া আপনার জন্য ক্ষতি কারক, সুতরাং এই সব থেকে দূরে থাকুন। সরকারী বিভাগের দ্বারা শাস্তি/জরিমানার ভয় আছে।

সূর্যের অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. মিথ্যা বলবেন না, উচ্চিষ্ঠ ভোজন করবেন না বা কাউকে খাওয়াবেন না।
২. মাছ-মাংস খাবেন না, মদ্যপান বা মাদক দ্রব্য সেবন করবেন না।

## চন্দ্র

আপনার বর্ষ কুন্ডলীতে চন্দ্র ৯মে শুভ, এ কারণে এ বছর সমাজের লোকদের প্রতি আপনার সহানুভূতি থাকবে। আপনি পৈতৃক/শ্বশুরবাড়ীর সম্পত্তি লাভ করবেন। আপনি তীর্থযাত্রায় শুভ ফল প্রাপ্ত করবেন। আপনার সংগীত বিদ্যা, ধার্মিক বিচার বা ধর্ম-কর্মে রুচির আধিক্য হবে। আপনার পক্ষে বিনম্র স্বভাব রাখা শুভ, এর দ্বারা আপনি উন্নতির চরম শিখরে পৌঁছে যাবেন, ধন-দৌলতেও বৃদ্ধি হবে।

চন্দ্রের শুভফল বৃদ্ধি হেতু নিম্নলিখিত অভ্যাস বর্জন করুন।

বর্জিত কার্য :

১. চালচলন ঠিক রাখুন ও অনৈতিক সম্বন্ধ রাখবেন না।
২. মিথ্যা বলবেন না, ঐঁটো খাবার নিজে খাবেন না বা কাউকে খাওয়াবেন না।

## মঙ্গল

আপনার বর্ষ কুন্ডলীতে মঙ্গল ৩য়ে থাকায় এই বছর উগ্র স্বভাব আপনার ক্ষতির কারণ হতে পারে। ধোকাবাজী করে লোকের থেকে নিজের কাজ করতে পারেন, মিথ্যা আশা ও উশুংখলতা করা আপনার জীবনকে নষ্ট করে দেবে। ছোটো ভাইয়ের জন্য সময় খারাপ থাকতে পারে। লেখা-পড়া না করে কোনো ব্যবসায় শুরু করলে দেনা ও ক্ষতির সম্ভাবনা আছে। রক্ত সম্বন্ধিত রোগ হতে পারে। বিবাহে বাধা/গৃহস্থ জীবনে অশান্তি পরিলক্ষিত হয়।

মঙ্গলের অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. বিশুদ্ধ রূপোর বেজোড় আংটি বাঁ হাতের অনামিকায় ধারণ করুন।
২. বিশুদ্ধ রূপোর বেজোড় বালাতে তামার পেরেক লাগিয়ে ডান হাতে পরুন।



## বুধ

জন্মনক্ষত্র মর্ষণকুণ্ডলীয়াত্তে বুধ বহর আপনার হঠাৎ ধন লাভ হবে ও সুখ সামগ্রী প্রাপ্ত করবেন, জ্যোতিষ বিদ্যা ও ধর্ম-অধ্যায়ের প্রতি রুচি থাকবে। আপনি মুখ দিয়ে যা বলবেন তা সত্য হবে অর্থাৎ আপনার মুখের কথা ব্রহ্মবাক্য মানা হবে। হঠাৎ ধন লাভ হবে ও খুবই ভালো দিন দেখতে পাবেন।

বুধের শুভত্ব বৃদ্ধি হেতু নিম্নলিখিত কর্ম পরিত্যাগ করুন।

বর্জিত কার্য :

১. গৌমুখ ঘরে বসবাস করবেন না।
২. চাল-চলন ঠিক রাখুন ও অনৈতিক সম্বন্ধ রাখবেন না।

## বৃহস্পতি

জন্মনক্ষত্র শেখরক্ষত্রীয়াত্তে থাকার কারণে এই বছর আপনার চাল -চলন খারাপ হতে পারে। চাল-চলন সামলানো আপনার জন্য অত্যন্ত আবশ্যিক। ঠাকুরদাদা-পিতার কষ্ট, সোনার গহনার ক্ষতি, চোখের নজর দুর্বল হতে পারে। ভাগ্যের ফল কিছু মধ্যম হবে। পরিবারের লোকদের রক্ষা করা আপনার জন্য একটি বিশেষ প্রয়োজনীয় কার্য হবে।

গুরুর অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. হলুদ রুমাল নিজের কাছে রাখুন।
২. বেওয়ারিস লাশের শেষকৃত্য সম্পন্ন করুন।

## শুক্র

জন্মনক্ষত্র বিষ্ণুকুণ্ডলীয়াত্তে কাঙ্ক্ষণে এই বছর আপনার ফর্সা রংএর মহিলাদের থেকে ক্ষতি হবে, আপনার চাল-চলনও খারাপ হতে পারে। ব্যবসায়ে আপনার আত্মীয়-স্বজনরাই আপনার ক্ষতি ও অর্থ নষ্টের কারণ হবে। বৈবাহিক সম্বন্ধে কটুতা আসতে পারে। সরকার বা সরকারী বিভাগ থেকে অসুবিধা ও কোর্ট কেস হওয়ার ভয় থাকবে। আপনার পত্নী ও মাতার মধ্যে বিরোধিতা হতে পারে।

শুক্রের অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. শবশুরবাড়ী থেকে কাঁসার বাসন উপহারস্বরূপ নিতে পারেন।

## শনি

জন্মনক্ষত্র মর্ষণকুণ্ডলীয়াত্তে শনি আপনি নিজের পরিবারের লোকদের ক্ষতি করেন, তাইএর সঙ্গে ঝগড়া বা তাদের বিরোধিতা করেন অথবা লোক ঠকিয়ে ধন উপা তাহলে আপনার গৃহস্থালীর/সরকার পক্ষে/ ব্যবসায়ে ক্ষতি হতে পারে। নিজের রাগের উপর নিয়ন্ত্রণ রাখুন। আপনার দ্বারা কারোর আঘাত লাগতে পারে। মদ্যপান ও মাছ-মাংস খাওয়া আপনার হার ও ক্ষতির

কারণ হবে।

শনির অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. শুভ কাজে যাওয়ার সময় বা নতুন কাজ শুরু করার সময়ে জলভর্তি ঘড়া স্থাপন করুন।
২. ঘরে শুদ্ধ রূপোর ইট রাখুন।
৩. সরকারী/গৃহস্থালী/ব্যবসায়ে অসুবিধা/বাধার সৃষ্টি হলে সূর্যোদয়ের পূর্বে ঘরের মুখ্য দরজার টোকাঠে স্পিরিট/সরসের তেল ঢালুন।

### রাহু

অসুবিধা, পত্নীর সঙ্গে ঝগড়া-বিবাদ বা বিবাহ বিচ্ছেদের সম্ভাবনা আছে যা ভবিষ্যতে আপনার জন্য কষ্টদায়ক হবে। দ্বিতীয় বিবাহের দ্বারাও আপনি সন্তান সুখ পাবেন না সূতরাং প্রথম পত্নীর সঙ্গে সম্বন্ধ বিচ্ছেদ করবেন না। প্রথম সন্তান পুত্র জন্মানোর সম্ভাবনা অনিশ্চিত। আপনার ভাই ধনী হবেন ও নিঃসন্তান হতে পারেন বা তারও সন্তান সম্বন্ধে চিন্তা থাকতে পারে।

রাহুর অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. বিশুদ্ধ রূপোর তৈরি নিরেট হাতি রূপোর প্লেটে দাঁড় করিয়ে ঘরে রাখুন।
২. পৈত্রিক বাসস্থানের টোকাঠের নীচে রূপোর পাত লাগান।
৩. পুত্র সুখের জন্য নিজের পত্নীর সঙ্গে দুবার বিবাহ করুন (মালা বদল)।

### কেতু

অসুবিধা, পত্নীর সঙ্গে ঝগড়া-বিবাদ বা বিবাহ বিচ্ছেদের সম্ভাবনা আছে যা ভবিষ্যতে আপনার জন্য কষ্টদায়ক হবে। দ্বিতীয় বিবাহের দ্বারাও আপনি সন্তান সুখ পাবেন না সূতরাং প্রথম পত্নীর সঙ্গে সম্বন্ধ বিচ্ছেদ করবেন না। প্রথম সন্তান পুত্র জন্মানোর সম্ভাবনা অনিশ্চিত। আপনার ভাই ধনী হবেন ও নিঃসন্তান হতে পারেন বা তারও সন্তান সম্বন্ধে চিন্তা থাকতে পারে।

কেতুর অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. কানে বিশুদ্ধ সোনার দুল পরুন।
২. শরীরে বিশুদ্ধ সোনার অলঙ্কার মঙ্গলজনক।

বর্ষ কো শুভ বনানে হেতু বর্ষারম্ভ মেং উপায়বিধি

\* ঘরে বিশুদ্ধ রূপোর ইট রাখুন।

(উপরোক্ত উপায় জন্মদিনে অথবা জন্মদিন থেকে ৪০ দিনের ভিতর করুন/শুরু করুন।)

# লাল কিতাব বর্ষফল 2026-2027

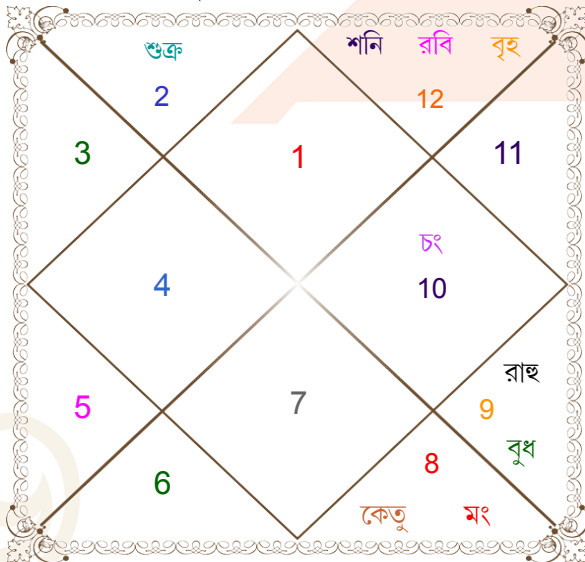
বর্তমান বয়স - 26  
বর্তমান দশা - রবি

গ্রহ	অক্ষ	শোয়া	ধর্মী	নেক/মন্দা
রবি	--	--	--	নেক
চং	--	--	--	মন্দা
মং	--	--	--	মন্দা
বুধ	--	--	--	মন্দা
বৃহ	--	--	--	নেক
শুক্র	--	হাঁ	--	মন্দা
শনি	--	--	হাঁ	মন্দা
রাহু	--	--	--	মন্দা
কেতু	--	--	--	মন্দা

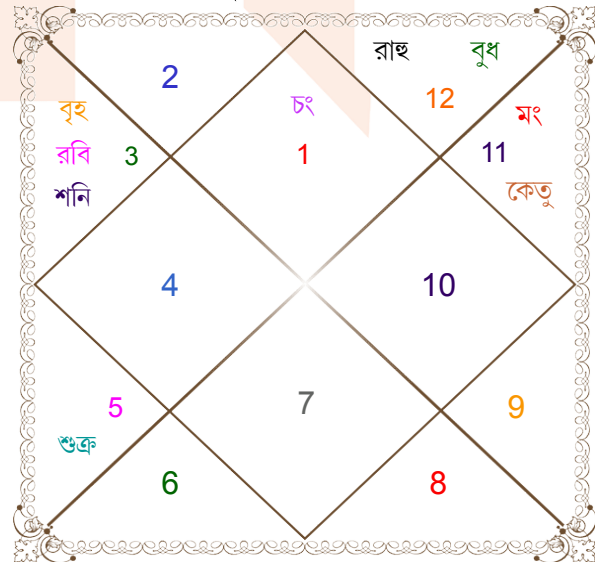
## ভাব অবস্থান

খানা	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
শোয়া	হাঁ	-	হাঁ	হাঁ	হাঁ	-	হাঁ	-	-	-	হাঁ	-

## বর্ষ কুন্ডলী ২০২৭



## বর্ষ চন্দ্র-কুন্ডলী



# লাল কিতাব বর্ষফল 2026-2027

## রবি

আপনার শুভফল বৃদ্ধি হতে পারে। থাকা এ বছর আপনি সন্তানসম্ভব জায়গায় জমিদার হবেন, বড়-বড় কাজ থেকে ধন লাভ হবে, গুপ্ত বিদ্যা, অধ্যাত্মে রুচি থাকবে। বিদেশ সম্পর্কিত কার্যে লাভপ্রাপ্তি বা বিদেশ যাত্রা হতে পারে। সুখ বৃদ্ধির সম্ভাবনা, বয়স্ক ব্যক্তিদের আশীর্বাদ আপনার উপর থাকবে। আপনার পরিবারে বিভিন্ন প্রকার গতিবিধি বৃদ্ধি পাবে।

সূর্যের শুভফল বৃদ্ধি হতে নিম্নলিখিত কার্য পরিত্যাগ করুন।

বর্জিত কার্য :

১. বৈদ্যুতিক সামগ্রী বিনামূল্যে নেবেন না।
২. আপনার কাছে অন্যের রাখা কোনো বস্তুর প্রতি লোভ করবেন না।

## চন্দ্র

আপনার বর্ষ কুশলীতে চন্দ্র ১০মে থাকায় এ বছর আপনার অসুস্থতার সময় বা রাত্রে তরল ওষুধ প্রয়োগ আপনার জন্য ক্ষতিকারক হবে। বিদ্যা সম্পর্কিত কাজে অসুবিধা হতে পারে। চোর-জুয়াড়ী, মদ্যপ লোকের দ্বারা আপনার লোকসান হবে। কোনো স্ত্রী বা প্রেমিকার দেওয়া অসৎ পরামর্শে আপনার ধন-সম্মান নষ্ট হতে পারে, সতর্ক থাকুন।

চন্দ্রের অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. ছানার জল পান করুন (অসুস্থতার সময়)
২. ১০ দিন সকালে প্রাতঃরাশে শুধুমাত্র ছানা খান।
৩. রাত্রির সময়ে (সূর্যাস্ত থেকে সূর্যোদয় অবধি) দুধ পান করবেন না।

## মঙ্গল

আপনার বর্ষ কুশলীতে মঙ্গল ১০মে থাকায় এ বছর কোনো বিধবা মহিলার সঙ্গে বাগড়া করবেন না। বৈবাহিক সমস্যা বা পরিবারের কোনো মহিলা বিধবা হতে পারেন। ছোটো ভাই থাকলে তার সময় ঠিক নয়। আপনার বলা অপশব্দ লড়াই-বাগড়ার কারণ হতে পারে। আপনার ক্রোধ ক্ষতিকারক হবে। এই সময়টা ধৈর্যের সঙ্গে পার করুন।

মঙ্গলের অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. বিধবা মহিলাদের উপহার দিয়ে চরণ স্পর্শ করে আশীর্বাদ নিন।
২. কুকুরদের মিষ্টি রুচি খাওয়ান।

## বুধ

জন্মশেষকক্ষের ক্ষুদ্রশুক্লক্রান্তি বৃহস্পতির আপনার পিতার জন্য চিন্তা বা পিতার থেকে দূরত্ব বাড়বে, পিতার ধন নাশ হতে পারে। আপনার জিভ ব মুখের রোগ হতে পারে। গৃহস্থ ও সন্তানের সম্বন্ধেও কিছু খারাপ হওয়ার সম্ভাবনা আছে। সমস্ত কাজে প্রতি পদে-পদে বিচার করে আপনার কাজ করা উচিত। যাত্রায় ক্ষতির ভয় আছে, সতর্ক থাকুন।

বুধের অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. গরুকে খাওয়ান।
২. লোহার গুলিকে লাল রং করে নিজের কাছে রাখুন।

## বৃহস্পতি

অঙ্গনশেষকক্ষের ক্ষুদ্রশুক্লক্রান্তি বৃহস্পতির আপনার অর্থের প্রতি কোনো লোভ থাকবে না। ধ্যান-সমাধি লাগালে আপনার জীবনে ধন বর্ষা হবে। আপনার আশীর্বাদ প্রাপ্ত লোকেরা লাভ পাবে, কিন্তু আপনাকে অসম্মান করলে তারা বরবাদ হয়ে যাবে। পরিবারের শুভ কাজের জন্য আপনার খরচ বৃদ্ধি পেতে পারে। ত্যাগের ভাবনাও আপনার মনে আসতে থাকবে। কারো অভিশাপ আপনার উপর লাগবে না।

গুরুর শুভত্ব বৃদ্ধি হেতু নিম্নলিখিত কার্য করবেন না।

বর্জিত কার্য :

১. এ রকম কাজ করবেন না যাতে আপনার বিরোধিতা হতে পারে।
২. কারো সাথে ধোকা-বেইমানি করবেন না।

## শুক্র

জন্মশেষকক্ষের ক্ষুদ্রশুক্লক্রান্তি শুক্রের আপনার আনন্দ -স্বফুর্তি উপভোগ করা সম্বন্ধে ঘৃণা প্রকাশ করবেন। শুক্রাণু দোষের কারণে আপনার সন্তানের চিন্তাও থাকতে পারে। আপনাকে অন্যের ঘরে বসবাস করতে হতে পারে। পশু-পাখী ও প্রকৃতির প্রতি আপনার বিরূপ মনোভাব তৈরী হতে পারে, যা ঠিক নয়। স্ত্রী, অর্থ ও জমি-জমাগতস্বত্বস্বীকারে ঝগড়া ঝামেলা মোক

শুক্রের অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. আলু, দেশি ঘি, দই দান করুন।
২. গরুর সেবা বা পালন করুন।

## শনি

জন্মশেষকক্ষের ক্ষুদ্রশুক্লক্রান্তি শনি আপনার বাড়ীর শেষপ্রান্তের অন্ধকার ঘরে কোনো আলোর ব্যবস্থা করলে আপনার ক্ষতি হবে। মিথ্যাকে নিজের জীবনে অত্যধিক স্থান দিলে,

স্বপ্নেও বেজিদূরবধা ক্রান্তি লোভ করলে আপনার সর্বপ্রকার সুখের হানি হবে। মাদক ব  
আপনার প্রভূত উন্নতি হবে।

শনির অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. তামার বাসন ব্যবহার করুন।
২. তক্তাপোশের উপর শয়ন করুন।

## রাহু

আপনার বর্ষ কুন্ডলীতে রাহু ৯মে থাকার কারণে এই বছর আপনার উপর পুলিশ/কোর্ট কেসের  
স্বয়ংক্রিয়ভাবে আকস্মিক স্বাব্যস্ত হবেন। পিতা ও শ্বশুরের কণ্ট বা তাঁদের দ্বারা আপনার  
ক্ষতি হওয়ার ভয় আছে। সাধু-ফকিরদের সংগ অপব্যয়ের কারণ হবে। তীর্থযাত্রায় বাধা আসতে পারে।  
ঐচ্ছিকভাবে জন্মের জন্য ঠিক নয়।

রাহুর অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. শরীরে বিশুদ্ধ সোনার অলঙ্কার ধারণ করুন।
২. ধর্মস্থানে/মন্দিরে রোজ মাথা ঠেকান।

## কেতু

জ্ঞানসম্বন্ধকর্ম ক্রুঞ্জহীন অদৃকত -মাংস খাওয়া ক্ষতিকারক হবে। খারাপ  
চালচলন বা অনৈতিক সম্বন্ধ গুপ্তরোগ হওয়ার কারণ হবে। সন্তানসুখ চাইলে চাল-চলন ঠিক রাখুন নতুবা  
সন্তান সম্বন্ধে চিন্তা থাকবে। এ ছাড়া ব্যবসায় ক্ষতি ও যাত্রায় অসুবিধা বা অপব্যয় হবে। কারকে নিজের  
দুর্বলতা জানাবেন না, কারণ আপনার বিশ্বাসভাজন ব্যক্তি আপনার অবনতির কারণ হবে।

কেতুর অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. কালো-সাদা কম্বল ধর্মস্থানে দান করুন (সন্তানের আয়ু বৃদ্ধির জন্য)।
২. কালো-সাদা কম্বলের টুকড়োতে কেতুর সাথে অবস্থিত গ্রহের বস্ত্র বেঁধে শ্মশানের মাটিতে পুঁতে দিন  
(নবজাতক/শিশু জীবিত না থাকলে)।  
(১) সূর্য-গম, (২) চন্দ্র-চাল, (৩) মঙ্গল-ডাল মুসুর, (৪) বুধ-মুগ ডাল, (৫) গুরু-ছোলার ডাল, (৬) শূকর-  
ভূষি, (৭) শনি-কালো বিউলী, (৮) রাহু-যব, (৯) কেতু-কালো-সাদা তিল।
৩. কুকুরকে ভোজনের ভাগ দিন।

বর্ষ কো শূভ বনানে হেতু বর্ষারম্ভ মেং উপায়বিধি

\* ৪৩ দিন মিষ্টি তন্দুরী রুটি কুকুরদের খাওয়ান।

(উপরোক্ত উপায় জন্মদিনে অথবা জন্মদিন থেকে ৪০ দিনের ভিতর করুন/শুরু করুন।)

## লাল কিতাব-উপায়

লাল কিতাবের উপায় কখন আর কিভাবে করবেন ?

১. উপায় সূর্য উদয়ের পরে এবং সূর্যাস্ত অবধি দিনেরবেলা করুন, রাতে উপায় করলে অনেকবার অশুভ ফল দেয়। কেবল চন্দ্র গ্রহণের উপায় রাতে করা যায়।
২. উপায় শুরু করার জন্য কোনো শুভ দিন সোমবার বা মঙ্গলবার, সক্রান্তি, অমাবস্যা বা পূর্ণিমার কোনো বিচার হবেনা।
৩. কোনো রক্তোসম্বন্ধী আত্মীয় ভাই-ভগ্নী, মাতা-পিতা, দাদু-দীদা, পুত্র-পুত্রী উপায় করতে পারে জা ফলপ্রসূ হবে।
৪. এক দিনে কেবল একটি উপায় করুন, এক দিনে দুই উপায় করলে শুভ ফল হবেনা অথবা উপায় নিষ্ফল হবে।
৫. মানা করা জেমন মাংস-মাছ, মদিরাপান করবেনা, চাল-চলন সঠিক, মিথ্যা বাক্য, উচ্ছিষ্ট খাবেনা খাওয়াবেনা, পরস্কত্রী-পরপুরুষ সংগে সম্বন্ধ করবেনা।
৬. জা উপায় জে সময় জন্য লেখা তত সময় অবধি করুন।
৭. যদি কোনো কারণে উপায় মধ্যখানে বন্ধ করতে হয় তো জে দিন উপায় বন্ধ করবেন তার পূর্বদিনে সামান্য চাল দুধে ধুয়ে সাদা কাপড়ে বেঁধে নিজের কাছে রেখে দিন আর জখন আবার উপায় শুরু করবেন আই চাল ধর্ম স্থান কিংবা বহমান জলে বা কোনো বাগান ইত্যাদিতে ফেলে দিয়ে উপায় শুরু করুন। এতদ্বারা উপায় পূর্ণ ফলপ্রসূ হবে।
৮. সমস্ত উপায় ৪৩ দিন বা ৪৩ সপ্তাহ বা ৪৩ মাস বা ৪৩ বর্ষ অবধি করুন, উপায় চলা কালীন ৩৯ দিন মধ্য ভঙ্গ হোলে সব নিষ্ফল হোতে পরে অথবা শুভ ফল কম হবে।
৯. জন্ম কুন্ডলীতে অশুভ গ্রহের বর্ষফল কুন্ডলীতে উপায় জন্মদিন থেকে ৪০-৪৩ দিনের ভিতর করুন।
১০. ঘরে সূতক (শিশু জন্ম) অথবা পাতক (কারো মৃত্যু) ঘটিত হয় তো ৪০ দিন উপায় না করা উচিত।
১১. পরিবারের রিতী-নীতি এবং সমাজ সংস্কার অনুযায়ী পূর্ণ করুন।